Volume 4 | Issue 10 | October 2024

Price Rs 60

BullionWorld

World of Bullion Research

www.bullionworld.in

भारतीय बैंक और गिफ्ट सिटीः वैश्विक कीमती धातु बाजार के भविष्य को बदलते हुए – श्री प्रदीप रामकृष्णन 8

नेट ज़ीरोः ऑटोमोबाइल कंपनियां और उपभोक्ता प्रतिरोध कर रहे हैं – सुश्री रोना ओ'कॉनेल 15

"पारंपरिक स्वर्ण खनन का पुनरुद्धार" – श्री लूका मइओट्टी 19

3rd INDIA SILVER CONFERENCE
25-27 April 2025
Radisson Blu
Palace Resort & Spa, Udaipur

8th ASIA PACIFIC PRECIOUS METALS CONFERENCE
15-17 June 2025
Shangri-La Hotel, Singapore
Orange Grove Road

INDIA GOLD CONFERENCE
12-14 Sept 2025
Novotel & Pullman Aerocity
New Delhi

SAM Trademarks

Embodiment of Timeless Beauty and Elegance

sam™
SAM PRECIOUS METALS

WE KNOW WHAT
PRECIOUS
REALLY MEANS

www.sampreciousmetals.com
info@sampreciousmetals.com
Sampreciousmetals
Sampreciousmetals
Sampreciousmetals

THE WORLD'S MOST CONSIDERATE® PRECIOUS METALS

ABC REFINERY
A PALLION COMPANY
abcrefinery.com

ABC BULLION
A PALLION COMPANY
abcbullion.com

AL ETIHAD GOLD

FINE GOLD CAST BARS

OUR SERVICES

- Refining Services
- Assaying Services
- Gold & Silver Minting Services
- Smelting Services
- Diamond Removal Services

1 KG BAR 999.9 & 995.0

+ 971 4 242 4813
info@aletihadgold.com
www.aletihadgold.com
283648, Dubai, UAE.

CATALOG

AL ETIHAD GOLD

معيار الإمارات للتسليم الجيد
UAE GOOD DELIVERY

EXCHANGE TRADED BULLION CONTRACTS -

FAIR AND TRANSPARENT MEANS OF INVESTMENT

SMALLER DENOMINATION GOLD & SILVER FUTURES CONTRACTS

Developing gold and silver as an asset class. Investment in smaller denomination contracts backed with delivery is witnessing an increasing interest from retail participants.

Smaller denomination contracts are designed to cater to the organized retail investor demand. They also capture the imagination of a fast emerging new-age clientele with an evolving view on gold and silver as an investment class.

SALIENT FEATURES

- Smaller denomination contract
- Providing a systematic investment plan (SIP) type of flexibility
- Coins and bars can be held and accumulated in the electronic format and physical delivery also available
- It comes with an individual assaying certificate with quality assurance
- Convenience of transaction and liquidity of exchange platform are key advantages
- Better Cash flow management and margin protection
- Inventory hedging amid volatile prices

Issued in Public Interest by Multi Commodity Exchange Investor Protection Fund
Read the Risk Disclosure Document (RDD) carefully before transacting in commodity futures and options

MCX
METAL & ENERGY
Trade with Trust
MCX INVESTOR PROTECTION FUND

सलाहकार मंडल

राजेश खोसला
पृथ्वीराज कोठारी
भार्गव वैद्य
सुरेंद्र मेहता

निदेशक एवं सीईओ
जी श्रीवत्सव

निदेशक एवं सीओओ
विनायक मेहरवडे

उपाध्यक्ष
अभिनया एस
स्वप्ना बी ई

सामग्री टीम
एन श्रीनिवास मूर्ति
प्रतीक तांब्रे

विपणन टीम
रवि भांडगे
प्राजक्ता सरदेसाई

ग्राफिक डिज़ाइनर
राधिका के
सतियन के

वेब डेवलपर
मणिवन्नन
इमयावरंबन जी

डेटा सहायता
गजेन्द्र
संजय
संजय
टीम
वेंकट्रमान एस
कृष्णेंदु रॉय
नवीन
निक्षेप टी ए
सिंधु होस्मनी
श्रीकांतारमन
एलएस चंद्रशेखरन एस
शिवकुमार, सुमलता
जयशिलन, राम्या, वरुण

अनुवादक
खुशी वर्मा

वीडियोग्राफर
आर ए जिराली

प्रकाशन कार्यालय
बुलियन वर्ल्ड
#146, 1-2 फ़्लोर, गोपाल टावर्स,
रामय्या स्ट्रीट, एचएएल एयरपोर्ट रोड,
कोडिहल्ली, बेंगलुरु - 560008
फोन: +91-80-41535476, +91 9343734140
ईमेल: editor@bullionworld.in
वेब: www.bullionworld.in

स्पष्टीकरण:
बुलियन वर्ल्ड न तो विज्ञापित उत्पाद, सेवा या कंपनी का समर्थन करता है और न ही किसी विज्ञापन या विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावों का। पाठकों को किसी भी कार्रवाई से पहले आवश्यक जांच-पड़ताल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यदि आप किसी विज्ञापनदाता पर प्रतिक्रिया साझा करना चाहते हैं, तो कृपया **editor@bullionworld.in** पर लिखें।

8

भारतीय बैंक और गिफ्ट सिटी: वैश्विक कीमती धातु बाजार के भविष्य को बदलते हुए – श्री प्रदीप रामकृष्णन

12

"सतत भविष्य के निर्माण में चांदी की भूमिका" – श्री ओक्टावियो अल्विद्रेज़

14

IIBX – वैश्विक बुलियन बाजार के लिए भारत का प्रवेश द्वार – श्री अशोक गौतम

15

नेट ज़ीरो: ऑटोमोबाइल कंपनियां और उपभोक्ता प्रतिरोध कर रहे हैं – सुश्री रोना ओ'कॉनेल

18

MMTC-PAMP ने नई उपलब्धि हासिल की – लाखवां स्वर्ण बार तैयार किया

19

"पारंपरिक स्वर्ण खनन का पुनरुद्धार" – श्री लूका मइओट्टी

20

"ऑस्ट्रेलिया: सतत नवाचार के साथ वैश्विक स्वर्ण उद्योग का नेतृत्व" – श्री निकोलस फ्रैपेल

22

इंडिया सिल्वर कॉन्फ्रेंस 2024 की एक झलक

24

*इंडिया गोल्ड कॉन्फ्रेंस 2024

28

IGC 2024: गोल्ड कारोबार के श्रेष्ठतम को सम्मान

34

चीन में प्लेटिनम निवेश के लिए बाजार का विकास श्री वेइबिन डेंग

36

जापानी निवेशकों के दृष्टिकोण में बदलाव – गोल्ड को लेकर श्री ब्रूस इकेमिजु

संपादकीय

प्रिय पाठकों,
जुलाई से सितंबर 2024 के बीच, वैश्विक बाजार में सोने की कीमतें USD में 13.3% बढ़ीं। इसी अवधि में, INR में सोने की कीमतें केवल 5.6% बढ़ीं, जिसका मुख्य कारण 23 जुलाई 2024 को घोषित आयात शुल्क में भारी कटौती रहा। जुलाई के अंतिम सप्ताह में सोने की कीमतों में आई अस्थायी गिरावट ने खुदरा निवेशकों को कम कीमत पर अधिक सोना खरीदने का अवसर दिया। बाजार सहभागियों का मानना था कि कम शुल्क से व्यापार को औपचारिक रूप मिलेगा और तस्करी पर भी लगाम लगेगी।

तस्करी के स्तर को मापने के लिए एक संकेतक स्थानीय बाजार मूल्य बनाम सिंथेटिक सोने की कीमत (जो लंदन स्पॉट प्राइस के आधार पर तय होती है) में छूट का स्तर है। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय बाजार में यह छूट आयात शुल्क कटौती की घोषणा से पहले के दो महीनों में लगभग 0.9% थी, जो घोषणा के बाद दो महीनों में घटकर 0.2% रह गई। इस प्रकार, छूट में उल्लेखनीय कमी आई है, हालांकि यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। बाजार में स्वच्छता बढ़ने और सीमा नियंत्रण कड़े होने के साथ, हमें जल्द ही कीमतों में समानता हासिल होने की उम्मीद है। स्विट्जरलैंड भारत के लिए सोने का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है, जो कुल आयात का लगभग 40% हिस्सा रखता है। इसके बाद यूएई (16%) और दक्षिण अफ्रीका (10%) हैं। भारत के कुल आयात में 5% से अधिक योगदान के साथ, सोना भारत के आयात पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

भारत 1 मई 2022 से प्रभावी यूएई के साथ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) की कुछ विशिष्ट धाराओं का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है। यह समीक्षा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि उद्योग जगत ने इस व्यापार समझौते के कारण यूएई से कीमती धातुओं के आयात में हुई वृद्धि को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। हाल के महीनों में, चांदी ने निवेशकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया है, जो मुख्य रूप से सोने की तुलना में उसके मजबूत प्रदर्शन के कारण है। पिछले तिमाही में, चांदी-समर्थित ईटीएफ (ETF) में लगभग 829 टन का प्रवाह दर्ज किया गया, जो 2021 की शुरुआत के बाद सबसे अधिक तिमाही प्रवाह है। वर्ष की शुरुआत से अब तक, चांदी की कीमतों में 34.25% की वृद्धि हुई है, जो सोने की 29.50% की वृद्धि को पार कर गई है। यह प्रवृत्ति चांदी बाजार की मजबूत बुनियादी स्थितियों से समर्थित प्रतीत होती है।

आप सभी को त्योहारों की शुभकामनाएं!

शुभकामनाओं सहित,
जी. श्रीवत्सव
संपादक

हम इस संस्करण की सामग्री पर आपके सुझावों और प्रतिक्रिया को पाकर प्रसन्न होंगे। कृपया हमें editor@bullionworld.in पर लिखें।

भारतीय बैंक और गिफ्ट सिटी: वैश्विक कीमती धातु बाजार के भविष्य को बदलते हुए

श्री प्रदीप रामकृष्णन
कार्यकारी निदेशक, धातु और कमोडिटीज विभाग, IFSCA

श्री प्रदीप रामकृष्णन

भारत 2023 में लगभग 746 टन सोने का आयात करके दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोने का उपभोक्ता है। भारत में सोने का बाजार दशकों में विकसित हुआ है, जो विभिन्न चरणों से गुजरा है, जिनमें प्रतिबंध चरण, निषेध चरण, उदारीकरण चरण, हस्तक्षेप चरण और पारदर्शिता चरण शामिल हैं। भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से पिछले 10 वर्षों में उठाए गए कदमों का मुख्य उद्देश्य कीमती धातु पारिस्थितिकी तंत्र में पारदर्शिता और दक्षता बनाना रहा है।

यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि बैंक एक सक्रिय और गतिशील कीमती धातु पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे सीएमई ग्रुप (COMEX) जैसे एक्सचेंजों के सदस्यों के ग्राहक के रूप में अप्रत्यक्ष रूप से और शंघाई गोल्ड एक्सचेंज (SGE) जैसे एक्सचेंजों के प्रत्यक्ष सदस्य के रूप में भाग लेते हैं। इसके अलावा, वे ओवर-द-काउंटर (OTC) बाजार में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं, जहां लंदन जैसे बाजारों में अनलॉक किए गए खातों के माध्यम से कीमती धातुओं के निपटान की सुविधा प्रदान करते हैं।

सोने के लेन-देन स्वभाव से उच्च-मूल्य के होते हैं और इसके लिए जोखिम प्रबंधन और प्रतिपक्ष जोखिम की गहरी समझ आवश्यक होती है। बैंक, अपनी मजबूत बैलेंस शीट और कीमती धातुओं के बाजार में पोजीशन होल्डिंग, हेजिंग और वित्त पोषण में व्यापक अनुभव के साथ, महत्वपूर्ण भागीदार होते हैं। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक और निवेशक आमतौर पर उन्हीं बैंकों के माध्यम से बुलियन खरीदना पसंद करते हैं, जो बुलियन संचालन में विशेषज्ञता रखते हैं, जिसमें ट्रेजरी प्रबंधन और परिसंपत्ति-दायित्व (एसेट-लायबिलिटी) प्रबंधन शामिल होता है।

Source:
1. https://www.gold.org/goldhub/data/gold-demand-by-country
2. https://www.iima.ac.in/publicationglittering-paradox-unveiling-indias-gold-policy-evolution-and-its-enduring-flaws#:~:text=The%20Glittering%20Paradox%3A%20Unveiling%20India's%20Gold%20Policy%20Evolution%20And%20Its%20Enduring%20Flaws,-Ramakrishnan%20Padmanabhan%2C%20Chandan&text=In%20recent%20years%2C%20despite%20reforms,lack%20of%20clear%20government%20direction.
3. https://rbi.org.in/Scripts/BS_CircularIndexDisplay.aspx?Id=12606

INDIA DIAMOND CONFERENCE 2025

MORE DETAILS COMING SOON

MARK
YOUR DATES
09 - 10 JAN 2025
MUMBAI

www.diamondconference.in

3rd INDIA SILVER CONFERENCE

25-27 April 2025
Radisson Blu
Palace Resort & Spa, Udaipur

MARK
YOUR DATES

www.silverconference.in

8th ASIA PACIFIC
PRECIOUS METALS
CONFERENCE

15-17 JUNE 2025
Shangri-La Hotel
Singapore

SBMA

MARK
YOUR
DATES

www.asiapacificpmc.com

INDIA GOLD CONFERENCE

12-14 Sept 2025

Novotel & Pullman Aerocity
New Delhi

Where The World
Meets **India**

MARK
YOUR
DATES

www.goldconference.in

बैंकों की कीमती धातु पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए, चाहे वह ओटीसी हो या एक्सचेंज-आधारित, IFSCA ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) को प्रस्ताव दिया कि भारतीय बैंकों को इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज IFSC लिमिटेड (IIBX) के एक्सचेंज पारिस्थितिकी तंत्र में भाग लेने की अनुमति दी जाए, जिससे पारदर्शिता और मूल्य खोज (प्राइस डिस्कवरी) में सुधार हो। इसके जवाब में, RBI ने 9 फरवरी 2024 को एक परिपत्र जारी किया, जिसमें भारतीय बैंकों को IIBX में भाग लेने की अनुमति दी गई। इसके बाद, इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी (IFSCA) ने 19 अप्रैल 2024 को एक परिपत्र जारी किया, जिसका शीर्षक था "इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज IFSC लिमिटेड (IIBX) के माध्यम से भारतीय बैंकों द्वारा सोने और चांदी का आयात"। इस परिपत्र में नामित बैंकों के लिए दिशानिर्देश दिए गए, जिसमें नामित बैंकों को एक्सचेंज पर स्पेशल कैटेगरी क्लाइंट्स (SCC) के रूप में भाग लेने की अनुमति दी गई। इससे पहले, सोने के आयात पर केवल नामित बैंकों (जिन्हें RBI द्वारा अधिसूचित किया गया था), नामित एजेंसियों (जिन्हें DGFT द्वारा अधिसूचित किया गया था), योग्य ज्वैलर्स (जिन्हें IFSCA द्वारा अधिसूचित किया गया था) और भारत-यूएई CEPA टैरिफ रेट कोटा (TRQ) धारकों (IFSCA द्वारा अधिसूचित) को ही अनुमति थी।

RBI के परिपत्र ने भारतीय बैंकों को इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (IIBX) में ट्रेडिंग मेंबर (TM) / ट्रेडिंग-कम-क्लियरिंग मेंबर (TCM) और स्पेशल कैटेगरी क्लाइंट (SCC) के रूप में भाग लेने की अनुमति दी है। TM/TCM केवल ग्राहकों की ओर से ट्रेड निष्पादित करेंगे (स्वयं के लिए ट्रेडिंग की अनुमति नहीं होगी) और SCC केवल ग्राहकों की ओर से खरीद ट्रेड निष्पादित करेंगे। इस प्रकार, अब भारतीय बैंकों को विदेशी बैंकों की ओर से ट्रेडिंग और क्लियरिंग संचालन करने की अनुमति मिल गई है। इस फैसले के बाद, SBI, ICICI बैंक और HDFC बैंक जैसे प्रमुख भारतीय बैंकों ने IIBX पर TCM के रूप में भाग लेना शुरू कर दिया। इसके बाद, अनुमान है कि अन्य प्रमुख बुलियन आयातक भारतीय बैंक भी जल्द ही IIBX पर अपने परिचालन शुरू कर सकते हैं।

IFSCA ने RBI को एक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया था, जिसमें IFSC एक्सचेंजों या IFSC के OTC बाजार में सोने की कीमत के जोखिम से प्रभावित निवासी संस्थाओं को हेजिंग गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया था। इसे बाद में RBI ने 15 अप्रैल 2024 की अधिसूचना के माध्यम से लागू किया। विदेशी बैंकों ने पहले ही गिफ्ट सिटी में अपनी GIFT-IFSC शाखाओं के माध्यम से हेजिंग संचालन शुरू कर दिया है, जिससे सोने की कीमत के जोखिम वाली निवासी संस्थाओं को हेजिंग उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं। भारतीय सोना बाजार अब वैश्विक कीमती धातु पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत आकर्षक स्थिति में है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अनुमान लगाया है कि 2024 में भारत लगभग 850 टन सोने की खपत कर सकता है, जबकि 2023 में यह 750 टन था, जिसका मुख्य कारण अच्छा मानसून और सोने पर कस्टम ड्यूटी में कमी को बताया गया है। 23 जुलाई 2024 को जारी अधिसूचना संख्या 33/2024-कस्टम्स के तहत सोने के आयात पर कस्टम ड्यूटी को पहले के 15% से घटाकर 6% कर दिया गया।

इसका परिणाम अगस्त 2024 में सोने की मजबूत मांग के रूप में देखा गया, जब भारत ने लगभग 140 टन सोने का आयात किया। भारत में वर्तमान में प्रति व्यक्ति सोने की खपत लगभग 0.53 ग्राम है, जो कई अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। भारत में सोने के प्रति गहरी सांस्कृतिक संबद्धता है, जो देश में उच्च आभूषण खपत से स्पष्ट होती है, जो 2023 में लगभग 576 टन थी। S&P ग्लोबल इंडिया ने भविष्यवाणी की है कि भारत 2031 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। यह आर्थिक विकास प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि ला सकता है, जिससे भारत में सोने की खपत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा हो सकता है। जैसे-जैसे लोगों की आय बढ़ेगी, वे अपनी बढ़ी हुई खर्च करने की क्षमता का एक हिस्सा सोने में निवेश करने के लिए आवंटित कर सकते हैं। भारतीय निवेशक भी गोल्ड ईटीएफ में धन आवंटित कर रहे हैं, जिसका प्रमाण हाल ही में AUM और सोने की होल्डिंग्स में आई वृद्धि से मिलता है, जो अब लगभग 52 टन तक पहुंच गई है।

हाल ही में बैंक ऑफ इंग्लैंड से 100 टन सोने की पुनः स्वदेश वापसी एक महत्वपूर्ण संकेत है कि RBI, एक केंद्रीय बैंक के रूप में, देश की सीमाओं के भीतर संरक्षकता बनाए रखने को प्राथमिकता देता है, जो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता को दर्शाता है। RBI की इस पुनः स्वदेश वापसी की समयावधि और गिफ्ट कीमती धातु पारिस्थितिकी तंत्र का उदय इससे अधिक उपयुक्त नहीं हो सकता था। देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि और सोने के प्रति गहरी सांस्कृतिक संबद्धता के साथ, आने वाले वर्षों में सोने के बाजार में उपभोग और निवेश उत्पाद के रूप में महत्वपूर्ण वृद्धि की संभावनाएं बन सकती हैं।

4. https://ifsca.gov.in/Viewer?Path=Document%2FLegal%2Fimport-of-gold-and-silver-by-indian-banks-through-iibx19042024062249.pdf&Title=Import%20of%20gold%20and%20silver%20by%20Indian%20Banks%20through%20India%20International%20Bullion%20Exchange%20IFSC%20Limited%20%28IIBX%29&Date=19%2F04%2F2024
5. https://ifsca.gov.in/Directory/index/P6YtcC69GoU=
6. https://economictimes.indiatimes.com/industry/cons-products/fashion-/-cosmetics-/-jewellery/wgc-raises-indias-gold-consumption-projection-to-850-tonnes-in-2024/articleshow/112904746.cms?from=mdr
7. https://taxinformation.cbic.gov.in/view-pdf/1010125/ENG/Notifications
8. https://www.gold.org/goldhub/gold-focus/2024/09/indias-gold-market-update-gold-market-broadens-expansion-physical
9. https://www.gold.org/goldhub/data/gold-demand-by-country
10. https://www.metalsfocus.com/product/gold-focus/

इस आशाजनक बाजार में अवसरों का लाभ उठाने के लिए, विभिन्न हितधारक–विशेष रूप से वे बुलियन बैंक जो वर्तमान में भारत में हो रहे विकास, विशेष रूप से गिफ्ट कीमती धातु पारिस्थितिकी तंत्र पर नजर रख रहे हैं–गिफ्ट-IFSC के माध्यम से भारत पर अपना ध्यान केंद्रित करने पर विचार कर सकते हैं। गिफ्ट-IFSC में एक्सचेंज-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र या OTC बाजार में भाग लेकर, वे बैंक जो अब तक भारतीय बाजार में प्रवेश नहीं कर पाए हैं, इस नवस्थापित पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बन सकते हैं, जिससे सोने और अन्य कीमती धातुओं के लिए अधिक दक्षता, पारदर्शिता और बेहतर मूल्य खोज को बढ़ावा मिल सकेगा।

IIBX पर भारतीय बैंकों की प्रतिपक्ष के रूप में भागीदारी एक्सचेंज-आधारित ट्रेडिंग से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद कर सकती है। एक्सचेंज-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़कर, बुलियन बैंक न केवल बाजार की वृद्धि का लाभ उठा सकते हैं, बल्कि इसके विकास और परिपक्वता में एक महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा सकते हैं।

यह हितधारकों, विशेष रूप से कीमती धातुओं के संचालन में लगे बैंकों के लिए एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है, जिससे वे गिफ्ट-IFSC पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत हो सकते हैं और भारतीय बैंकों के साथ IIBX और गिफ्ट-IFSC के OTC बाजार में सहयोग कर सकते हैं। यह संभावित रूप से वैश्विक कीमती धातु बाजार के भविष्य को नया आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (IIBX) के माध्यम से बुलियन आयात की मात्रा

Total Gold traded through IIBX in KG			
Month	2022	2023	2024
January		1	308.2
February		13	3573.3
March		16	213.2
April	2	0	50
May	12	117	2990.3
June	0	52.8	6727.7
July	31	206.6	5165.8
August	28	272.8	10663.7
September	38	1230.2	9205.5
October	154	1197.1	
November	114	710.5	
December	2	46.5	
Sum	381	3863.5	38897.7
Sum Total			43142.2

Total Silver traded through IIBX in KG		
Month	2023	2024
January		158940
February		493600
March		235200
April		18060
May		59920
June		117320
July		32760
August		9450
September		60
October		
November		
December	21060	
Sum	21060	1125310
Sum Total		1146370

स्रोत इनपुटः

श्री रामकृष्णन पद्मनाभन,
महाप्रबंधक, धातु और वस्तु विभाग, IFSCA
श्री चंदन सत्यार्थ,
सहायक प्रबंधक, धातु और वस्तु विभाग, IFSCA

11. https://www.business-standard.com/economy/news/india-to-become-third-largest-economy-by-2030-31-says-s-p-global-124091901072_1.html
12. https://www.gold.org/goldhub/gold-focus/2024/09/indias-gold-market-update-gold-market-broadens-expansion-physical
13. https://www.businesstoday.in/latest/economy/story/what-made-rbi-move-100-tonnes-of-gold-from-uk-to-its-vaults-heres-an-explainer-431671-2024-06-01

Mr Octavio Alvidrez

भारतीय बैंक और गिफ्ट सिटी: वैश्विक कीमती धातु बाजार के भविष्य को बदलते हुए

श्री ओक्टावियो अल्विद्रेज़
मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फ्रेसेनिलो पीएलसी एवं अध्यक्ष, द सिल्वर इंस्टीट्यूट

द सिल्वर इंस्टीट्यूट के नव-निर्वाचित अध्यक्ष और फ्रेसेनिलो पीएलसी के सीईओ के रूप में, मुझे गर्व है कि मैं हमारे कई सदस्यों की ओर से अपने विचार प्रस्तुत कर सकता हूं, जो चांदी के बाजार के लगभग सभी पहलुओं से जुड़े हैं। पिछले 50 से अधिक वर्षों से, सिल्वर इंस्टीट्यूट चांदी की आवाज बना हुआ है, जो अपने वार्षिक वर्ल्ड सिल्वर सर्वे और अन्य कई प्रकाशनों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से इस महत्वपूर्ण धातु की वैश्विक पहचान को बढ़ाने का कार्य कर रहा है।

औद्योगिक क्षेत्र में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। पिछले वर्ष औद्योगिक अनुप्रयोगों में चांदी के उपयोग का एक नया रिकॉर्ड बना, और इस वर्ष इसके और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। जैसा कि आप जानते हैं, सौर ऊर्जा स्वच्छ ऊर्जा का सबसे व्यापक रूप से अपनाया जाने वाला रूप है। फोटोवोल्टिक्स में चांदी के अनिवार्य उपयोग में पिछले वर्ष 64% की वृद्धि हुई थी, और 2024 में इसके और 20% बढ़ने का अनुमान है। इसी समय, विद्युत ग्रिड निर्माण और ऑटोमोटिव इलेक्ट्रिफिकेशन सहित अन्य हरित-संबंधित अनुप्रयोग भी औद्योगिक चांदी की मांग में वृद्धि में योगदान देंगे। चांदी हमारे दैनिक जीवन की एक महत्वपूर्ण धातु है। यह हम सभी के लिए आवश्यक है, और मुझे इस महत्वपूर्ण समय में सिल्वर इंस्टीट्यूट का नेतृत्व करने पर गर्व है।

> **“चांदी पर नेताओं और नागरिक समाज द्वारा विश्व की जटिल समस्याओं, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन, से निपटने के लिए तेजी से भरोसा किया जा रहा है।”**

"मैं बुलियन वर्ल्ड का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मियामी में आयोजित प्रतिष्ठित LBMA/LPPM ग्लोबल प्रेशियस मेटल्स कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने पाठकों को संबोधित करने का यह अवसर प्रदान किया।"

FOR OVER A CENTURY WE HAVE RESHAPED VALUE RESPONSIBLY

LBMA
GOOD DELIVERY
REFINER

LBMA
GOOD DELIVERY
REFEREE

www.randrefinery.com

RAND REFINERY

IIBX – वैश्विक बुलियन बाजार के लिए भारत का प्रवेश द्वार

श्री अशोक गौतम
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज IFSC लिमिटेड

Mr Ashok Gautam

इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज IFSC लिमिटेड (IIBX), जो गिफ्ट सिटी में स्थापित है और इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर अथॉरिटी (IFSCA) द्वारा विनियमित है, भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज है। इसके लॉन्च के बाद से, IIBX ने एक विश्व स्तरीय पारदर्शी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में तेजी से प्रगति की है, जिससे भारत में आयातकों को वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए बुलियन के आयात की सुविधा मिल सके।

भारत में सोने का आयात शुद्ध सोने (फाइन गोल्ड बार) और डोरे गोल्ड, दोनों रूपों में किया जाता है। भारत में सोने का वार्षिक आयात लगभग 700 से 800 टन के बीच रहता है, जबकि चांदी का आयात प्रति वर्ष 4000 से 8000 टन के बीच होता है।

IIBX आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष प्रभावित और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से खनिजों की जिम्मेदार आपूर्ति श्रृंखला के लिए OECD ड्यू डिलिजेंस गाइडेंस का पालन करता है।

विभिन्न नीतिगत पहलों के माध्यम से, योग्य ज्वैलर्स और वैध टैरिफ रेट कोटा धारकों को IIBX के माध्यम से भारत में बुलियन आयात करने की अनुमति दी गई है। IIBX पर योग्य आपूर्तिकर्ताओं के रूप में पंजीकृत संस्थाओं को इसके प्लेटफॉर्म के माध्यम से बुलियन की आपूर्ति और बिक्री की अनुमति दी गई है।

IIBX पर बुलियन का व्यापार 'बुलियन डिपॉजिटरी रिसीट्स' (BDRs) के रूप में किया जाता है, जो ऐसी प्रतिभूतियाँ हैं जिनका आधार भौतिक बुलियन होता है, जिसे गिफ्ट IFSC और चेन्नई में स्थित J Matadee FTWZ के वॉल्ट्स में संग्रहित किया जाता है। BDRs को इंडिया इंटरनेशनल डिपॉजिटरी IFSC लिमिटेड (IIDI) में डीमैटेरियलाइज़ किया जाता है।

IIBX को कई वैश्विक पहली पहलों का श्रेय दिया गया है, जिसमें हर 30 मिनट में BDRs का निपटान और दिन में 3 बार फंड सेटलमेंट शामिल है।

IIBX ने सोने के व्यापार में मजबूत वृद्धि देखी है। 31 मार्च 2024 तक 8.3 टन सोने के व्यापार तक पहुंचने के बाद, अप्रैल से जून तिमाही में IIBX पर 9.7 टन का व्यापार हुआ, जिसके बाद जुलाई से सितंबर तिमाही में यह बढ़कर 25.4 टन हो गया। इस प्रकार, चालू वित्तीय वर्ष में कुल सोने के व्यापार की मात्रा 43.5 टन तक पहुंच गई। इसके अलावा, IIBX ने दिसंबर 2023 में सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट्स की शुरुआत के बाद से अब तक कुल 1146.3 टन चांदी का व्यापार दर्ज किया है।

हाल ही में, सोने और चांदी की कीमत के जोखिम से प्रभावित घरेलू संस्थाओं को इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर (IFSC) संस्थाओं के माध्यम से अमेरिकी डॉलर में मूल्य जोखिम को हेज करने की अनुमति दी गई है। IFSC में स्थापित IIBX को एक लाभकारी स्थिति प्राप्त है, जिसमें खरीद पक्ष पर लगभग 500 घरेलू संस्थाएँ शामिल हैं। हाल ही में लॉन्च किए गए गोल्ड फ्यूचर्स और जल्द ही लॉन्च होने वाले सिल्वर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स के साथ, IIBX घरेलू व्यापार की हेजिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।
IIBX एक मजबूत, पारदर्शी, लोकतांत्रिक और आसान व्यापारिक प्लेटफॉर्म प्रदान करके भारतीय बाजार में सोने का मूल्य प्रभावक बनने के अपने दृष्टिकोण को पूरा करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यह न केवल भारत में बुलियन आयात की सुविधा प्रदान कर रहा है, बल्कि हेजिंग उत्पादों के साथ-साथ बुलियन से संबंधित अन्य वित्तीय उत्पाद भी उपलब्ध करा रहा है।

IIBX के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.iibx.co.in पर संपर्क करें।

■■■

नेट ज़ीरोः ऑटोमोबाइल निर्माता और उपभोक्ता कर रहे हैं प्रतिरोध

सुश्री रोना ओ'कॉनेल
हेड ऑफ मार्केट एनालिसिस, EMEA और एशिया रीजन, स्टोनएक्स फाइनेंशियल लिमिटेड

सुश्री रोना ओ'कॉनेल

प्रस्तावित वैश्विक नेट ज़ीरो उत्सर्जन लक्ष्य समय सारिणी शुरू से ही बहस का विषय रही है, क्योंकि इसमें सरकारी निकायों से लेकर बदलाव को लेकर सतर्क उपभोक्ताओं तक कई हितधारक शामिल हैं। अब, इनमें से कुछ बहस स्पष्ट दबाव में बदलती जा रही है।

PGM (प्लैटिनम ग्रुप मेटल्स) के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू उनका गैसोलीन-ईंधन चालित वाहनों में उत्सर्जन नियंत्रण उत्प्रेरकों में उपयोग और डीजल पार्टिकुलेट उत्सर्जन के उपचार में प्लैटिनम की भूमिका है। ऑटोमोबाइल सेक्टर वैश्विक औद्योगिक प्लैटिनम उत्पादन का लगभग 40-42% और पैलेडियम का 80-82% उपयोग करता है। यूएस EPA के अनुमान के अनुसार, परिवहन से होने वाला ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन अमेरिका में कुल GHG उत्सर्जन का लगभग 28% है, जबकि यूरोपीय आयोग इस अनुपात को लगभग 19% मानता है।

यूरोप में नियमों के अनुसार, 2035 तक नए बेचे जाने वाले कारों में CO2 उत्सर्जन को 100% तक कम करना आवश्यक होगा, यानी कोई भी नया जीवाश्म ईंधन वाहन नहीं बेचा जाएगा। हालांकि, पहले से ही इसमें ढील के संकेत दिखने लगे हैं, क्योंकि यूरोपीय संघ 2026 में इन नियमों की समीक्षा करने की योजना बना रहा है, और कुछ यूरोपीय देशों में दक्षिणपंथी राजनीतिक बदलाव संभावित रूप से इस नीति में बाधा डाल सकता है। सितंबर में यूरोपीय ऑटोमोबाइल निर्माता संघ (ACEA) ने इस बात पर तत्काल ध्यान देने की मांग की कि "बैटरी इलेक्ट्रिक कारों की बाजार हिस्सेदारी लगातार घट रही है... यह उद्योग और नीति निर्माताओं के लिए एक अत्यंत चिंताजनक संकेत है।" यूरोपीय ऑटो निर्माता यूरोपीय संघ की संस्थाओं से आग्रह कर रहे हैं कि वे 2025 में कारों और वैन के लिए लागू होने वाले नए CO2 लक्ष्यों से पहले राहत उपाय प्रदान करें और हल्के व भारी वाहनों के लिए निर्धारित 2026 और 2027 के CO2 नियमों की समीक्षा को 2025 तक तेज करें। हाइब्रिड वाहनों की बढ़ती मांग का मुख्य कारण उपभोक्ताओं की बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (BEV) की रेंज को लेकर चिंता और वैश्विक स्तर पर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के धीमे कार्यान्वयन को माना जा रहा है।

एक से अधिक ऑटोमोबाइल कंपनियां अपनी रणनीति बदल रही हैं। हाल ही में, वोल्वो ने घोषणा की कि वह 2030 तक केवल बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (BEV) बेचने की अपनी योजना को छोड़ रही है और अब BEV और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (PHEV) के संयोजन पर ध्यान केंद्रित करेगी। (ध्यान दें कि हाइब्रिड वाहनों में आमतौर पर आंतरिक दहन इंजन (ICE) शामिल होते हैं, जिनका भार पूरी तरह ICE वाहनों की तुलना में अधिक हो सकता है।)

इसलिए, जबकि पैलेडियम और रोडियम की मांग प्रोफाइल खतरे में है, दीर्घकालिक पूर्वानुमान कई अनिश्चितताओं से भरे हुए हैं। जो हम कह सकते हैं, वह यह है कि सबसे खराब स्थिति में, 2030 के दशक के अंत तक, एक ऐसा उद्योग जो वर्तमान में पैलेडियम की कुल मांग का 80% हिस्सा रखता है, बाजार में धातु का शुद्ध आपूर्तिकर्ता बन सकता है।

आपूर्ति पक्ष की बात करें तो, पैलेडियम और रोडियम की कीमतों में गिरावट और दक्षिण अफ्रीका में ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी समस्याएं अभी भी प्रमुख मुद्दे बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका में लोड-शेडिंग 1 अप्रैल को समाप्त हो गई थी, हालांकि राज्य ऊर्जा आपूर्तिकर्ता एस्कॉम के सीईओ ने चेतावनी दी है कि बकाया बड़े बिल कंपनी के संचालन के लिए खतरा बन सकते हैं। प्रमुख दक्षिण अफ्रीकी उत्पादक कंपनियां (जो वैश्विक प्लैटिनम खदान उत्पादन का 70% और वैश्विक आपूर्ति का 54% हिस्सा रखती हैं) पुनर्गठन की प्रक्रिया में हैं, जिससे कार्यबल की संख्या प्रभावित हो रही है, लेकिन उत्पादन पर अभी तक कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। उत्तरी अमेरिका में, सिबाने-स्टिलवॉटर खदान, जो नकदी घाटे का सामना कर रही है, को पुनर्गठन कार्यक्रम के तहत देखभाल और रखरखाव मोड में डाला जा रहा है।

दुनिया की सबसे बड़ी पैलेडियम उत्पादक कंपनी, नॉर्निकेल, ने रिपोर्ट किया है कि वह अपनी 2024 उत्पादन समय सारिणी से आगे है, हालांकि रेड सी नेविगेशन से जुड़ी समस्याओं के कारण उसे अपने भंडार (इन्वेंट्री) बढ़ाने पड़े हैं। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका की एमप्लैट्स और इम्प्लैट्स कंपनियां लोड-शेडिंग के दौरान संचित अनुपचारित सामग्री के भंडार को कम करने पर काम कर रही हैं।

इस वर्ष प्लैटिनम में वैश्विक औद्योगिक मांग के लगभग दो सप्ताह के बराबर घाटा होने की संभावना है, जबकि 2025 में यह बढ़कर तीन सप्ताह तक पहुंच सकता है। पैलेडियम के मामले में, इस वर्ष लगभग छह सप्ताह का घाटा होने की उम्मीद है, जो 2025 में घटकर पांच सप्ताह तक आ सकता है।

इस बीच, हाइब्रिड वाहनों की बढ़ती हिस्सेदारी, जो बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (BEVs) की कीमत पर बढ़ रही है, पैलेडियम की मांग को अस्थायी रूप से सहारा दे रही है। 2024 के अधिकांश समय में, दीर्घकालिक विकास की उम्मीद में NYMEX पर बड़े पैमाने पर शॉर्ट पोजीशन बनाए गए थे, लेकिन हाल ही में ये भारी मात्रा में कम होकर जनवरी के स्तरों तक आ गए हैं। सिबाने के हालिया घोषणा के साथ, इसने सितंबर में पैलेडियम की कीमत को $1,120 तक पहुंचाने में मदद की।

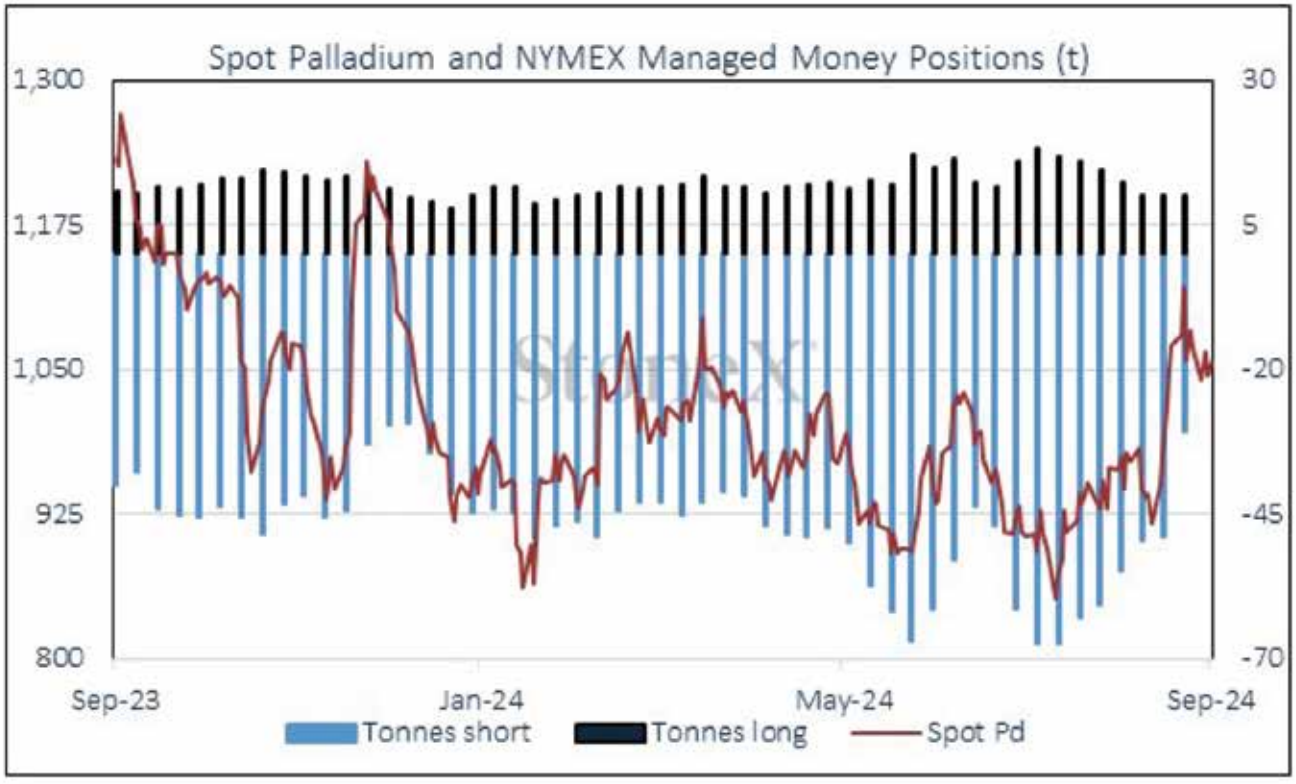

Source: CFTC via Bloomberg; Design: StoneX

दीर्घकालिक दृष्टिकोण को देखते हुए, पैलेडियम की कीमतों में किसी स्थायी सुधार को उचित ठहराना कठिन है। संभवतः सबसे सकारात्मक बात यह कही जा सकती है कि औद्योगिक डि-स्टॉकिंग (मौजूदा भंडार की खपत) अंततः रुक जाएगी, लेकिन फिलहाल बाजार दबाव में बना हुआ है। दूसरी ओर, प्लैटिनम का दृष्टिकोण बेहतर दिख रहा है, खासकर यदि फ्यूल सेल टेक्नोलॉजी को सड़क पर व्यापक स्वीकृति मिलती है। इस बीच, उद्योग जगत अपनी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बनाए रखने के लिए सतर्क बना हुआ है।

The same, yet so different.

Valcambi Regular Gold Valcambi Green Gold Valcambi Artisanal Gold Valcambi Recycled Gold

valcambi
suisse

MMTC-PAMP ने नया कीर्तिमान स्थापित किया – 70 लाखवां स्वर्ण बार तैयार किया

MMTC-PAMP भारत की एकमात्र लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन (LBMA) गुड डिलीवरी स्वर्ण और रजत रिफाइनरी है। कीमती धातु क्षेत्र में अग्रणी, MMTC-PAMP देश में सर्वोत्तम गुणवत्ता और उच्चतम शुद्धता वाले सबसे विश्वसनीय स्वर्ण और रजत उत्पादों का उत्पादन करता है।

MMTC-PAMP
Swiss Excellence. Made in India.

स्विट्ज़रलैंड स्थित बुलियन ब्रांड PAMP SA और भारत सरकार के उपक्रम MMTC Ltd. के संयुक्त उद्यम के रूप में, MMTC-PAMP स्विस उत्कृष्टता को भारतीय दृष्टिकोण के साथ जोड़ता है। MMTC-PAMP India Pvt. Ltd. को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कीमती धातु उद्योग में वैश्विक मानकों की उत्कृष्टता लाने के लिए एक उद्योग अग्रणी के रूप में मान्यता प्राप्त है। एक रिफाइनर के रूप में, हम भारत की सबसे बड़ी स्वर्ण रिफाइनरी और फैब्रिकेटर हैं, जिसकी वार्षिक परिशोधन क्षमता 300 टन स्वर्ण और 600 टन रजत है।

कीमती धातु क्षेत्र में अग्रणी होने के नाते, MMTC-PAMP उन्नत तकनीकों का उपयोग करता है ताकि हमारे उत्पादों में सर्वोच्च गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। सोने को इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया के माध्यम से परिष्कृत किया जाता है, जिससे 9999 से अधिक शुद्धता प्राप्त होती है, और फिर अत्याधुनिक इंडक्शन मेल्टिंग फर्नेस में इसे ग्रेन के रूप में परिवर्तित किया जाता है। अत्याधुनिक टनल फर्नेस तकनीक ढलाई (कास्टिंग) में दोषों को न्यूनतम कर उच्च गुणवत्ता वाले बार तैयार करती है। सटीकता सुनिश्चित करने के लिए, कई चेकपॉइंट्स पर ट्रिपल डेसिमल वेटिंग बैलेंस का उपयोग किया जाता है, और प्रत्येक बार को पूर्ण ट्रेसबिलिटी के लिए एक अद्वितीय सीरियल नंबर के साथ स्टैम्प किया जाता है, जिसे प्रमाणिकता प्रमाणपत्र के साथ जारी किया जाता है।

LBMA द्वारा मान्यता प्राप्त भारत की एकमात्र रिफाइनरी होने के अलावा, MMTC-PAMP एशिया और भारत की बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा भी मान्यता प्राप्त एकमात्र रिफाइनरी है, जो 999.9+ शुद्धता और सकारात्मक वजन सहिष्णुता के साथ उच्चतम और शुद्धतम गुणवत्ता वाले स्वर्ण और रजत उत्पादों का उत्पादन करती है। रिफाइनरी ASTM और BIS मानकों का भी पालन करती है।

हमारे उत्पाद अपनी विशिष्टता और शुद्धता के कारण सबसे अधिक मांग में रहते हैं, जिसे ग्राहकों द्वारा अत्यधिक पसंद किया जाता है। यही कारण है कि हमारे उत्पादों को असाधारण लोकप्रियता मिली है, जिससे हम हर साल लगभग एक मिलियन बुलियन बार बेचते हैं। हमारे ग्राहकों की निष्ठा और हमारे उत्पादों की लोकप्रियता ने MMTC-PAMP को एक नया मील का पत्थर हासिल करने में मदद की–हमने अपना 70 लाखवां 100 ग्राम स्वर्ण बार तैयार किया। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 11 सितंबर 2024 को हासिल की गई, जिससे हमारी समृद्ध विरासत में एक और मान्यता जुड़ गई।

यात्रा जारी है, क्योंकि MMTC-PAMP कीमती धातुओं के परिशोधन में गुणवत्ता और उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करता है।

70 लाखवां स्वर्ण बार निर्माण यात्रा का विवरण इस प्रकार है:

Journey of Million Bar		
Serial No	Production Date	No of Days
1 million	05-Dec-15	1267
2 million	11-Sep-17	646
3 million	11-Sep-18	365
4 million	28-May-19	259
5 million	07-May-21	710
6 million	16-Nov-22	558
7 million	11-Sep-24	665

"पारंपरिक स्वर्ण खनन का पुनरुद्धार: वैश्विक प्रयास और चुनौतियाँ"

श्री लूका मइओट्टी
नीति विश्लेषक, निष्कर्षण क्षेत्र, OECD सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल बिजनेस कंडक्ट

पारंपरिक और लघु स्तर के स्वर्ण खनन (ASGM) को लेकर हाल ही में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। 2022 में किए गए एक व्यवहार्यता अध्ययन की सिफारिशों के बाद, लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन (LBMA) ने अपने सदस्यों द्वारा सोर्सिंग में ASGM सामग्री की हिस्सेदारी बढ़ाने की पहल शुरू की। 2024 में, घरेलू ASGM खरीद कार्यक्रमों वाले कुछ केंद्रीय बैंकों ने वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया और "लंदन प्रिंसिपल्स" पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कोलंबिया, इक्वाडोर, मंगोलिया और फिलीपींस के केंद्रीय बैंक प्रारंभिक हस्ताक्षरकर्ताओं के रूप में शामिल हुए। निष्कर्षण उद्योग पारदर्शिता पहल (EITI) के राष्ट्रीय बहु-हितधारक समूहों ने भी, OECD के साथ मिलकर विकसित एक गाइडेंस नोट का उपयोग करना शुरू कर दिया है, जिससे ASGM को अपनी रिपोर्टिंग में शामिल किया जा सके (जैसे कि घाना, डीआरसी और बुर्किना फासो में)।

दुर्भाग्यवश, इस नई ऊर्जा का अभी तक ठोस परिणामों में रूपांतरण नहीं हुआ है। ASGM अभी भी अनौपचारिकता, वित्तीय पहुंच की कमी और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे से जूझ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप खनिकों और समुदायों के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा समस्याएं, असुरक्षा और पर्यावरणीय क्षति जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। ASGM से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए अब तक किए गए प्रयास आमतौर पर अस्थायी औपचारिकरण परियोजनाओं, सीमित खरीद समझौतों और पारिस्थितिकी तंत्र बहाली तक सीमित रहे हैं, जो अब तक न तो प्रभावी रहे हैं और न ही बड़े पैमाने पर लागू किए जा सके हैं।

सरकारें और कंपनियाँ यह सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रयास कर सकती हैं कि वैध ASGM बाजार तक पहुंच बना सके। हालांकि, प्रभावी होने के लिए, उन्हें स्थानीय खरीदारों, व्यापारियों, एग्रीगेटरों और निर्यातकों की सोर्सिंग प्रक्रियाओं की कड़ी जांच करनी होगी, क्योंकि ये आमतौर पर ASGM खनिकों को अग्रिम वित्तपोषण, परिवहन और उपकरण प्रदान करते हैं, जिससे सोने को तेजी से बाजार में लाया जा सकता है।

जब इन अपस्ट्रीम भागीदारों पर उचित परिश्रम (ड्यू डिलिजेंस) की बात आती है, तो कंपनियों से अपेक्षा की जाती है कि वे "OECD

श्री लूका मइओट्टी

ड्यू डिलिजेंस गाइडेंस फॉर रिस्पॉन्सिबल सप्लाई चेन्स ऑफ मिनरल्स" को लागू करें। इसमें एक परिशिष्ट (एपेंडिक्स) शामिल है, जिसमें ASGM के लिए आर्थिक और विकास के अवसर पैदा करने के लिए सुझाए गए उपायों का उल्लेख किया गया है। इसके साथ एक FAQ दस्तावेज़ भी उपलब्ध है, जो जिम्मेदारीपूर्वक ASGM सोर्सिंग से संबंधित दिशानिर्देश प्रदान करता है।

यह गाइडेंस उत्पादन (जैसे डीआरसी, कोलंबिया), प्रसंस्करण (जैसे यूएई) और आयात (जैसे यूरोपीय संघ, स्विट्जरलैंड, अमेरिका) से जुड़े देशों में उचित परिश्रम नियमों (ड्यू डिलिजेंस रेगुलेशंस) का आधार है और वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (Financial Action Task Force) की सिफारिशों के अनुरूप भी है।

■■■

"ऑस्ट्रेलियाः सतत नवाचार के साथ वैश्विक स्वर्ण उद्योग के भविष्य का नेतृत्व"

श्री निकोलस फ्रैपेल
ग्लोबल हेड ऑफ इंस्टिट्यूशनल मार्केट, ABC रिफाइनरी

ऑस्ट्रेलिया दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सोने का उत्पादक है, जिसने 2023 में अनुमानित 301 मीट्रिक टन सोना उत्पादित किया। बिना किसी निर्यात प्रतिबंध और अपेक्षाकृत छोटे घरेलू उपभोक्ता बाजार के कारण, यह कहना उचित होगा कि ऑस्ट्रेलिया वैश्विक स्तर पर सोने के सबसे बड़े निर्यात प्रवाह वाला देश है। इसलिए, इसे भौतिक बाजार में प्रवेश करने वाले 'नए सोने' के संदर्भ में बदलाव लाने और उपभोक्ता प्राथमिकताओं में होने वाले परिवर्तनों का प्रभावी ढंग से जवाब देने का अवसर प्राप्त है।

श्री निकोलस फ्रैपेल

ऑस्ट्रेलिया उन कुछ अग्रणी देशों में से एक है, जहां सशक्त शासन, श्रम सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की उच्चतम स्तर की नीतियां मौजूद हैं। इसके अलावा, उत्पादकों को कई सकारात्मक बाहरी लाभ भी मिलते हैं, जिनमें जियोसाइंस ऑस्ट्रेलिया जैसे संसाधन शामिल हैं।

जियोसाइंस ऑस्ट्रेलिया एक सरकारी एजेंसी है जो ऑस्ट्रेलिया के संपूर्ण भूविज्ञान को मैप करने और समझने का प्रयास करती है। यह सभी खनिज अन्वेषण को लाभ पहुंचाती है, और वर्तमान सरकार के तहत इसे ऑस्ट्रेलिया की खनिज संरचना की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण अतिरिक्त धनराशि प्राप्त हुई है, जिससे भविष्य में सोने के अन्वेषण और निष्कर्षण को लाभ मिलेगा।

एक बार जब अन्वेषण उत्पादन में परिवर्तित हो जाता है, तो ऑस्ट्रेलिया में खनिक अत्यधिक कुशलता के साथ कार्य करते हैं, जिनका विशिष्ट "ऑल-इन सस्टेनिंग कॉस्ट" (AISC) लगभग 1,200 USD/Tozs के स्तर पर होता है। उद्योग को एक अनुभवी और नवाचार-प्रेरित वित्तीय क्षेत्र का भी लाभ मिलता है, जो कमोडिटी ऋण और जोखिम प्रबंधन में विशेषीकृत है।

रिफाइनिंग के संदर्भ में, उद्योग को ABC रिफाइनरी जैसे रिफाइनर्स से लाभ मिलता है, जिसने सोने के परिशोधन की रासायनिक प्रभाव को कम करने में भारी निवेश किया है। इससे ऑस्ट्रेलियाई धातु की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता और बढ़ गई है, क्योंकि सोने के उपभोक्ता अब इसके सामाजिक, पर्यावरणीय और उत्पत्ति प्रभाव के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं, चाहे वह नैतिक निर्माण हो या निवेश।

■■■

LBMA

LPM LONDON PLATINUM & PALLADIUM MARKET

Miami 2024

13-15 October, The Diplomat, Florida USA

Join us at the

Global Precious Metals Conference

Register Now

conference@lbma.org.uk
www.lbma.org.uk/events

भारत सिल्वर कॉन्फ्रेंस 2024 की एक झलक

भारत सिल्वर कॉन्फ्रेंस 2024 की सफल समापन न केवल एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही, बल्कि यह चांदी उद्योग की प्रगति के लिए एक मजबूत आधार भी साबित हुआ। गोवा के शांत वातावरण में स्थित नोवोटेल डोना सिल्विया में आयोजित इस सम्मेलन ने एक गतिशील मंच के रूप में आकार लिया, जहां 260 से अधिक प्रतिष्ठित प्रतिभागियों ने चांदी के भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। इवेंटेल ग्लोबल एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित और इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड (IBJA) एवं द सिल्वर इंस्टीट्यूट द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम में उद्योग के बहुआयामी परिदृश्य को समेटने वाले कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई।

प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर विचारोत्तेजक चर्चाओं में भाग लिया। सम्मेलन में शुद्ध चांदी के विनिर्माण में लाभ, गुणवत्ता पर अशुद्धियों के प्रभाव और पर्यावरणीय प्रभाव की विस्तृत जांच से लेकर, चांदी के आभूषणों में तेजी से बढ़ते विकास, नवाचार रणनीतियों और चांदी के बर्तनों के बाजार विस्तार पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, सत्रों में चांदी के निवेश की मांग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें बाजार की गहराई और निवेश पोर्टफोलियो में चांदी के एकीकरण पर विशेष जोर दिया गया।

60% से अधिक प्रतिनिधियों का मानना था कि दिसंबर 2024 के अंत तक चांदी की कीमत 34 USD/Troy Ounce से ऊपर कारोबार करेगी। भारत में विद्युत संपर्क (Electrical Contact) और सोलर पेस्ट अनुप्रयोगों में चांदी की मांग अगले पांच वर्षों में 15% की वार्षिक दर से बढ़ने की संभावना है। प्रमुख चांदी आभूषण क्लस्टर्स में कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित करना और विशिष्ट प्रचार एवं बाजार पहुंच कार्यक्रम शुरू करने से भारत में बने चांदी के आभूषणों और उत्पादों की मांग में वृद्धि होगी। निवेश पोर्टफोलियो के दृष्टिकोण से, 4% से 7% निवेश चांदी में किया जा सकता है। अल्पकालिक निवेशकों के लिए यह प्रतिशत कम होगा, जबकि दीर्घकालिक निवेशकों के लिए यह अधिक होगा। चांदी में निवेश, सोने में निवेश का पूरक माना जाता है।

गौरतलब है कि सम्मेलन ने उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए 2023 के उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ताओं को 13 ISC एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किए। भारत सिल्वर कॉन्फ्रेंस 2024 के सफल समापन के साथ, प्रतिभागी व्यापक ज्ञान और एक नए उद्देश्य की भावना के साथ विदा हुए। हर प्रतिभागी ने ठोस रणनीतियों और मजबूत नेटवर्किंग के साथ सम्मेलन से नई ऊर्जा प्राप्त की, जिससे भविष्य के सहयोग और प्रगति के बीज बोए गए। इस आयोजन की सफलता पर विचार करते हुए, हमें विश्वास है कि यह सिल्वर बाजार की दिशा तय करने, सतत विकास को बढ़ावा देने और इसके निरंतर समृद्धि के लिए समर्पित हितधारकों के एक जीवंत समुदाय को सशक्त बनाने में दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा।

■■■

भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस 2024

वैश्विक स्वर्ण उद्योग के लिए एक प्रमुख मंच

श्री सचिन जैन, क्षेत्रीय सीईओ - भारत, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल
श्री विपिन रैना, अध्यक्ष - मार्केटिंग, MMTC PAMP इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
श्री पृथ्वीराज कोठारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA)
सुश्री सखीला मिर्जा, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन (LBMA)
महामहिम श्री जेवियर मैनुअल पाउलिनिच वेलार्डे, पेरू के भारत में राजदूत
श्री श्रीवत्सव गणपति, निदेशक एवं सीईओ, इवेंटेल ग्लोबल एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड

भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस (IGC) वैश्विक कीमती धातु बाजार के प्रमुख खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करता है, जो नवाचार, स्थिरता और स्वर्ण आपूर्ति श्रृंखला में सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देता है। प्रमुख विदेशी और भारतीय बैंकों द्वारा विश्वसनीय इस कार्यक्रम में भारतीय स्वर्ण बाजार की बदलती गतिशीलता पर चर्चा की जाती है, जिसमें भौतिक मांग, स्वर्ण-समर्थित वित्तीय उत्पादों और फिनटेक समाधानों पर गहन विचार-विमर्श शामिल है। IGC प्रतिभागियों को नवीनतम बाजार प्रवृत्तियों और विश्लेषणों की जानकारी प्रदान करता है, जिससे यह भारत के समृद्ध स्वर्ण क्षेत्र का प्रवेश द्वार बन जाता है। वैश्विक दृष्टिकोण और बुलियन उद्योग में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए, IGC सहयोग और नए व्यावसायिक अवसरों को प्रोत्साहित करता है।

सम्मेलन में उभरते रुझानों और नवाचारों पर प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा गहन चर्चा और प्रस्तुतियाँ शामिल होती हैं। विभिन्न देशों से आए प्रतिभागी इसे एक वास्तविक अंतरराष्ट्रीय मंच बनाते हैं, जहां हितधारक स्वर्ण के भविष्य को आकार देने वाली महत्वपूर्ण जानकारियों का आदान-प्रदान करते हैं। यह प्रमुख आयोजन बहुराष्ट्रीय और स्थानीय प्रायोजकों के मजबूत सहयोग से संचालित होता है, जिससे खनिकों, निवेशकों और खुदरा विक्रेताओं के लिए अभूतपूर्व नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध होते हैं।

INDIA GOLD CONFERENCE

भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस 2024 (IGC 2024), जिसका टैगलाइन "Where the World Meets India" है, इवेंटेल ग्लोबल एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित किया जाता है और यह वैश्विक स्वर्ण उद्योग के लिए एक प्रमुख मंच है, जहां उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञ एक साथ आते हैं और सहयोग करते हैं। भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस खनन, परिशोधन, व्यापार, बुलियन और आभूषण संघों के प्रमुख व्यक्तित्वों सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को आकर्षित करता है। अपनी 21वीं संस्करण में, भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस (IGC) स्वर्ण उद्योग के लिए सबसे प्रतीक्षित वार्षिक सम्मेलनों में से एक बन चुका है। 650+ से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी, जिसमें खनिक, रिफाइनर, व्यापारी, निवेशक और खुदरा विक्रेता शामिल हैं, IGC को एक महत्वपूर्ण नेटवर्किंग मंच बनाती है और उन चर्चाओं को बढ़ावा देती है जो स्वर्ण बाजार के भविष्य को आकार देती हैं। 30+ से अधिक प्रायोजकों के समर्थन के साथ, यह आयोजन भारत की वैश्विक स्वर्ण बाजार में बढ़ती भूमिका को दर्शाता है, विशेष रूप से इसके व्यापार प्रथाओं को औपचारिक रूप देने और एक प्रमुख सोने के परिशोधन और व्यापारिक केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में।

Where The World Meets India

Bengaluru

23-25 August 2024
HILTON Manyata Business Park

भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस 2024 ने स्वर्ण मूल्य श्रृंखला के प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें खनन, परिशोधन, निवेश और आभूषण निर्माण शामिल थे। प्रत्येक सत्र में उद्योग की प्रमुख चुनौतियों और अवसरों को रेखांकित किया गया, जिसमें वैश्विक और स्थानीय दोनों दृष्टिकोणों को शामिल किया गया। हमेशा की तरह, भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस सिर्फ एक ज्ञान-साझाकरण मंच नहीं था, बल्कि यह सहयोग और व्यावसायिक समझौतों का एक प्रमुख केंद्र भी बना।

सोने के डोरे पर विशेष सत्र

अध्यक्षः श्री चिराग शेठ, प्रधान सलाहकार, मेटल्स फोकस
इस सत्र में सोने के डोरे से जुड़ी जटिलताओं, इसके स्रोतों की चुनौतियों और भारत में इसके विकास की संभावनाओं पर गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। डॉ. इमैनुएल माकुंबा माली (निदेशक, ICGLR), श्री कीथ वीनर (संस्थापक एवं सीईओ, मोनेटरी मेटल्स) और डॉ. प्रभाकर सांगुरमत (पूर्व निदेशक, हुट्टी गोल्ड माइन्स) जैसे वक्ताओं ने भारत में सोने के खनन की अप्रयुक्त संभावनाओं, नौकरशाही अड़चनों और पारदर्शी सोर्सिंग प्रणाली की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैश्विक स्तर पर सोने के डोरे की परिशोधन में भूमिका और इसकी आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े नैतिक मुद्दों पर भी चर्चा की, विशेष रूप से अफ्रीका के ग्रेट लेक्स क्षेत्र में, जहां तस्करी और अनौपचारिक खनन व्यापार को जटिल बनाते हैं।

उद्घाटन समारोह और मुख्य भाषण

उद्घाटन समारोह ने सम्मेलन की दिशा निर्धारित की, जहां सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों ने भारत की वैश्विक स्वर्ण बाजार में बढ़ती भूमिका पर चर्चा की। महामहिम श्री जेवियर मैनुअल पाउलिनिच वेलार्डे, पेरू के भारत में राजदूत, और श्री पृथ्वीराज कोठारी, IBJA के राष्ट्रीय अध्यक्ष, ने भारत के स्वर्ण व्यापार की विकासशील स्थिति पर अपने विचार साझा किए।श्री सचिन जैन, क्षेत्रीय सीईओ – भारत, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल, ने भारतीय स्वर्ण उद्योग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से एक स्व-नियामक संगठन, 'इंडियन एसोसिएशन फॉर गोल्ड एक्सीलेंस एंड स्टैंडर्ड्स' (IAGES) की घोषणा की।सुश्री सखीला मिर्जा, लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन (LBMA) की उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ने वैश्विक स्वर्ण व्यापार में जिम्मेदार सोर्सिंग और नैतिक प्रथाओं के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय रिफाइनरियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाने और बाजार की विश्वसनीयता बढ़ाने का आग्रह किया।

गोलमेज चर्चा में सर्वाधिक भागीदारीः भारत के स्वर्ण बाजार का दृष्टिकोण

"भारत का स्वर्ण बाजार - आगे क्या?" शीर्षक से आयोजित गोलमेज चर्चा ने भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस में स्वर्ण मूल्य श्रृंखला के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को एक मंच पर एकत्र किया। श्री महेंद्रन द्वारा संचालित इस सत्र में भारत के स्वर्ण बाजार की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई, जिसमें विशेष रूप से निर्यात अवसरों और नियामक सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रोफेसर सुंदरवल्ली ने छोटे और बड़े खिलाड़ियों के बीच अधिक तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया और वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए निर्यात पर अधिक ध्यान देने की वकालत की। श्री विकास ने भारतीय बैंकों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका निभाने की संभावनाओं पर चर्चा की, हालांकि उन्होंने इसके लिए नियामक समर्थन की अनिवार्यता पर जोर दिया। श्री रमन ने सोने के द्विपक्षीय प्रवाह को स्थापित करने के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसके लिए निर्यात की सुविधा हेतु महत्वपूर्ण नीतिगत समायोजन की आवश्यकता होगी। श्री विपिन ने भारतीय गुड डिलीवरी बार्स को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने में नियामक बाधाओं के कारण उत्पन्न चुनौतियों को रेखांकित किया, जबकि श्री आशीष ने भारतीय आभूषण क्षेत्र के वैश्विक विस्तार, कारीगरी और नैतिक व्यापार प्रथाओं के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। श्री शिवांशु ने भारतीय एक्सचेंजों की बढ़ती भूमिका और उचित नीतिगत समर्थन के साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की उनकी क्षमता पर चर्चा की। श्री हरीश पवानी ने भारत-यूएई व्यापार संबंधों, विशेष रूप से दोनों देशों के बीच सोने के प्रवाह को उलटने की संभावनाओं पर विचार किया। श्री चिराग ने सोने के आयात के लिए एक अधिक समान प्रणाली की आवश्यकता का सुझाव दिया, और श्री अय्यौब ने यूएई-भारत व्यापार पर SEPA समझौते के लाभों को रेखांकित किया।

पैनल ने निष्कर्ष निकाला कि भारत को वैश्विक स्वर्ण बाजार में अग्रणी बनने के लिए एक सुसंगत नीतिगत ढांचा, नियामक सुधार और निर्यात पर बढ़ा हुआ जोर आवश्यक है। विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर सहयोग, जिसे सरकारी समर्थन प्राप्त हो, भारत के स्वर्ण उद्योग की पूर्ण क्षमता को उजागर करने की कुंजी माना जाता है।

"सोने में विश्वास का नया युगः भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस 2024 में IAGES का शुभारंभ"

IAGES
Indian Association for Gold Excellence and Standards
An Industry Initiative

Supported by
WORLD GOLD COUNCIL

भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस में, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के क्षेत्रीय सीईओ श्री सचिन जैन ने भारत के स्वर्ण क्षेत्र के लिए एक परिवर्तनकारी पहल की घोषणा की–स्व-नियामक संगठन (SRO) IAGES (इंडियन एसोसिएशन फॉर गोल्ड एक्सीलेंस एंड स्टैंडर्ड्स) का शुभारंभ। इस अग्रणी प्रयास का उद्देश्य भारत के स्वर्ण उद्योग में पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वास को बढ़ाना है, जिससे प्रामाणिकता, नैतिक सोर्सिंग और गुणवत्ता आश्वासन से जुड़ी दीर्घकालिक चिंताओं का समाधान किया जा सके।

श्री सचिन जैन ने जोर दिया कि IAGES उद्योग हितधारकों और नियामकों के साथ तीन से अधिक वर्षों के सहयोग का परिणाम है, जिसका उद्देश्य स्वर्ण मूल्य श्रृंखला–परिशोधन, व्यापार से लेकर खुदरा तक–में स्पष्ट नैतिक व्यापार मानकों की स्थापना करना है। यह स्व-नियामक संगठन (SRO) अनुपालन करने वाले व्यवसायों को प्रोत्साहित करेगा, जबकि छोटे ऑपरेटरों को अपनी प्रक्रियाओं में सुधार करने में सहायता करेगा, जिससे भारत का स्वर्ण बाजार अधिक प्रतिस्पर्धी और स्थायी बनेगा। सरकारी नियमों और उद्योग प्रथाओं के बीच की खाई को पाटते हुए, IAGES भारत में एक अधिक संगठित और विश्वसनीय स्वर्ण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए तैयार है, जिससे देश की वैश्विक स्वर्ण बाजार में नेतृत्व की स्थिति और मजबूत होगी।

श्री सचिन जैन

निष्कर्षः

भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस 2024 ने एक बार फिर वैश्विक स्वर्ण उद्योग के भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख मंच के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। खनन और परिशोधन से लेकर आभूषण निर्माण और निवेश तक पूरी मूल्य श्रृंखला को कवर करने वाले सत्रों के माध्यम से, सम्मेलन ने उद्योग के सामने मौजूद चुनौतियों और अवसरों को उजागर किया।अंतरराष्ट्रीय हितधारकों, विशेष रूप से अमेरिका और यूरोप से जुड़े प्रतिनिधियों के लिए, भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस भारतीय स्वर्ण बाजार की बदलती गतिशीलता को समझने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। यह नियामक सुधारों, स्थिरता प्रयासों और तकनीकी नवाचारों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो उद्योग में हो रहे बदलावों को आगे बढ़ा रहे हैं।

जैसे-जैसे भारत वैश्विक स्वर्ण बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति मजबूत कर रहा है, भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस स्वर्ण मूल्य श्रृंखला में संवाद, सहयोग और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बना रहेगा।

सत्रों से परेः भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस की प्रमुख प्रस्तुतियों से मिली महत्वपूर्ण जानकारियाँ

भारत के स्वर्ण व्यापार का विकासः प्रोफेसर डॉ. सुंदरवल्ली नारायणस्वामी की अंतर्दृष्टि

प्रोफेसर डॉ. सुंदरवल्ली नारायणस्वामी, अध्यक्ष, इंडिया गोल्ड पॉलिसी सेंटर, IIM अहमदाबाद, ने वैश्विक स्वर्ण व्यापार में भारत की भूमिका पर एक महत्वपूर्ण मुख्य भाषण दिया। उन्होंने "आत्मनिर्भर भारत" की दृष्टि के साथ भारत को जोड़ने और घरेलू खनन व परिशोधन क्षमताओं को बढ़ाकर निर्यात को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे आयात शुल्क में कटौती और हॉलमार्किंग जैसी नीतियां भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत कर सकती हैं और अर्थव्यवस्था में अधिशेष योगदान ला सकती हैं।

IIBXः भारत में स्वर्ण व्यापार का भविष्य

एक प्रभावशाली प्रस्तुति में, इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (IIBX) के प्रबंध निदेशक, श्री अशोक गौतम ने बताया कि कैसे IIBX भारत में स्वर्ण व्यापार में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। सोने और चांदी के अनुबंधों के लॉन्च से लेकर अमेरिकी डॉलर-मूल्यवर्ग वाले नए स्वर्ण वायदा बाजार तक, IIBX बुलियन व्यापार को अधिक कुशल और सुरक्षित बनाने के नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने प्रमुख पहलों पर भी प्रकाश डाला, जैसे चेन्नई वॉल्ट का उद्घाटन और निर्बाध निपटान प्रक्रियाएँ, जो IIBX को एक वैश्विक अग्रणी मंच के रूप में स्थापित कर रही हैं।

भारतीय आभूषण बाजार में वृद्धि और लाभप्रदता के रुझान

श्री के. श्री कुमार, उपाध्यक्ष, ICRA लिमिटेड, ने भारत के संगठित आभूषण क्षेत्र में वृद्धि और लाभप्रदता के रुझानों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि असंगठित व्यापार से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, नियामक परिवर्तनों, ब्रांडिंग प्रयासों और टियर 2 और टियर 3 शहरों में विस्तार के कारण संगठित क्षेत्र में स्थिर वृद्धि देखी गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मूल्य निर्धारण रणनीतियाँ, इन्वेंटरी प्रबंधन और स्टोर विस्तार भविष्य की लाभप्रदता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण कारक होंगे, और आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में दोहरे अंकों की वृद्धि की उम्मीद है।

भारत का स्वर्ण आभूषण उद्योगः भविष्य के लिए एक दृष्टि का निर्माण

अध्यक्षः सुश्री आर्ति सक्सेना, प्रमुख - विपणन (भारत), वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल

इस सत्र में चर्चा की गई कि भारत का स्वर्ण आभूषण उद्योग भविष्य की मांगों के अनुरूप कैसे ढल रहा है और देश की व्यापक आर्थिक महत्वाकांक्षाओं के साथ खुद को कैसे जोड़ रहा है। श्री अजय चौला (सीईओ, ज्वेलरी डिवीजन, टाइटन कंपनी लिमिटेड), श्री एशर ओ (एमडी - भारत संचालन, मालाबार ग्रुप) और श्री मनसुख कोठारी (निदेशक, वासुपति ज्वेलर्स) ने उद्योग के अधिक संगठित व्यापार की ओर बढ़ने और इसे भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख कारकों में से एक बनाने की दृष्टि पर चर्चा की। वक्ताओं ने उन नियामक परिवर्तनों पर भी प्रकाश डाला जो अधिक पारदर्शिता और औपचारिकता को बढ़ावा दे रहे हैं, जैसे कि जीएसटी और हॉलमार्किंग। युवा पीढ़ी सोने के निवेश और भावनात्मक महत्व दोनों में रुचि दिखा रही है, जिसे ध्यान में रखते हुए श्री अजय चौला ने उद्योग द्वारा ओमनीचैनल रणनीतियों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे ऑनलाइन और ऑफलाइन अनुभवों का समन्वय किया जा सके। वहीं, श्री एशर ओ ने विविध ग्राहक वर्गों की आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादों को अनुकूलित करने के महत्व को रेखांकित किया।

अध्यक्षः श्री केतन ध्रुव, निदेशक, बैंगलोर रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड इस सत्र में वैश्विक और भारतीय स्वर्ण परिशोधन परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित किया गया, विशेष रूप से जिम्मेदार सोर्सिंग और ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) अनुपालन पर जोर दिया गया। सुश्री सखीला मिर्जा (उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, LBMA) और श्री प्रवीन बैजनाथ (सीईओ, रैंड रिफाइनरी) जैसे वक्ताओं ने जिम्मेदारीपूर्वक स्रोत किए गए सोने की बढ़ती उपभोक्ता मांग पर चर्चा की, साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए ब्लॉकचेन

तकनीक जैसी नवाचारों को भी प्रस्तुत किया।
LBMA और वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की साझेदारी में विकसित 'गोल्ड बार इंटेग्रिटी प्रोग्राम' को एक क्रांतिकारी पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो खदान से बाजार तक सोने को ट्रैक करने की सुविधा प्रदान करता है और नैतिक सोर्सिंग पर वास्तविक समय डेटा उपलब्ध कराता है। श्री बैजनाथ ने साझा किया कि रैंड रिफाइनरी नवीकरणीय ऊर्जा पर स्थानांतरित होकर और जल उपयोग को कम करके कैसे वैश्विक परिशोधन उद्योग के लिए एक उदाहरण स्थापित कर रहा है।

स्वर्ण निवेश की मांग

अध्यक्षः सुश्री शीला कुलकर्णी, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल
इस सत्र में वैश्विक और भारतीय स्वर्ण निवेश प्रवृत्तियों पर चर्चा की गई, जिसमें श्री फिलिप न्यूमैन (प्रबंध निदेशक, मेटल्स फोकस), डॉ. रेनीशा चैनानी (हेड ऑफ रिसर्च, ऑगमोंट - गोल्ड फॉर ऑल) और श्री दीपांकर मित्रा (डायरेक्टर ऑफ रिसर्च, ASK वेल्थ एडवाइजर्स) ने महामारी के बाद के बाजार गतिशीलता और केंद्रीय बैंक नीतियों के स्वर्ण मांग पर प्रभाव पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। पैनल ने भारत में बार और सिक्कों की मांग में पुनरुत्थान पर प्रकाश डाला, साथ ही यह भी बताया कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGBs) और ईटीएफ युवा निवेशकों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। डॉ. रेनीशा ने उल्लेख किया कि जहां भारतीय निवेशक आमतौर पर कीमतों में गिरावट के दौरान खरीदारी करते हैं, वहीं अमेरिका और यूरोप जैसे वैश्विक बाजारों में मिश्रित मांग देखी जा रही है। यह व्यवहार में अंतर भारत में स्वर्ण मांग को संचालित करने वाले विशिष्ट सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों को दर्शाता है।

स्वर्ण ऋण बाजारः वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार

अध्यक्षः श्री पी.आर. सोमसुंदरम, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल
भारत में स्वर्ण ऋण बाजार ने पिछले दशक में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है, जिससे यह देश के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। इस सत्र में स्वर्ण ऋणों की भूमिका पर चर्चा की गई, विशेष रूप से वित्तीय अनिश्चितता के समय इसे एक प्रमुख वित्तीय साधन के रूप में देखा गया।

श्री जॉर्ज अलेक्जेंडर मुथूट (मुथूट फाइनेंस) ने स्वर्ण ऋण बाजार को औपचारिक रूप देने की अपनी यात्रा साझा की, जिसमें यह असंगठित क्षेत्र से संगठित क्षेत्र में परिवर्तित हुआ। भारत में घरों में रखे गए स्वर्ण को देखते हुए, स्वर्ण ऋण त्वरित तरलता प्रदान करता है, जिसमें क्रेडिट स्कोर की आवश्यकता नहीं होती और केवल स्वर्ण की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाता है। स्वर्ण ऋण की प्रोसेसिंग की सरलता और गति–जो मात्र 15 मिनट में पूरी हो सकती है–इसे लाखों भारतीयों के लिए पसंदीदा वित्तीय विकल्प बनाती है। श्री देवेंद्र कुमार ओझा (फेडरल बैंक) ने कोविड-19 महामारी के दौरान स्वर्ण ऋणों में आई वृद्धि पर चर्चा की, जब बैंकों ने स्वर्ण ऋण को एक विश्वसनीय और सुरक्षित ऋण साधन के रूप में देखा। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा ऋण-से-मूल्य (LTV) अनुपात बढ़ाने के निर्णय जैसे नियामक समर्थन ने बैंकों को अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने में मदद की। इस सत्र में बैंकों और NBFCs के बीच सह-ऋण (co-lending) की भूमिका पर भी चर्चा की गई, जिससे स्वर्ण ऋण ग्रामीण और वंचित बाजारों तक पहुंच सका। श्री प्रमोद मोहन (FinMet) ने बताया कि कैसे प्रौद्योगिकी स्वर्ण ऋण क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, जिसमें बैलेंस ट्रांसफर सुविधा और गिरवी रखे गए स्वर्ण की रीयल-टाइम ट्रैकिंग जैसी नवाचार शामिल हैं।

स्वर्ण और आभूषण उद्योग में स्टार्टअप्सः जब तकनीक मिलती है परंपरा से अध्यक्षः श्री केतन कोठारी, निदेशक, ऑगमोंट गोल्ड इस सत्र में उन नवाचारों पर चर्चा की गई जो स्वर्ण और आभूषण उद्योग को नया रूप दे रहे हैं, जहां स्टार्टअप्स प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ग्राहक अनुभव को बेहतर बना रहे हैं, संचालन को सरल कर रहे हैं और स्वर्ण को अधिक सुलभ बना रहे हैं। श्री अर्जुन कज़ांची (रूबा फाइनेंस), श्री वीर मिश्रा (प्लस गोल्ड) और श्री निश्चय एजी (JAR टेक्नोलॉजीज) जैसे उद्यमियों ने अपनी अत्याधुनिक समाधान प्रस्तुत किए।

स्वर्ण मूल्य परिदृश्य

अध्यक्षः सुश्री सोनी कुमारी, कमोडिटी रणनीतिकार, ANZ रिसर्च
स्वर्ण मूल्य परिदृश्य सत्र में 2024 और उसके बाद स्वर्ण कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। सुश्री जोनी टेव्स (कमोडिटी रणनीतिकार, UBS) ने एक व्यापक आर्थिक विश्लेषण साझा किया, जिसमें उन्होंने भविष्यवाणी की कि स्वर्ण की कीमतों में मजबूती बनी रहेगी, जिसे केंद्रीय बैंकों की मजबूत मांग और भारत तथा चीन में स्थिर भौतिक मांग द्वारा समर्थन मिलेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अमेरिकी ऋण चिंताओं जैसी व्यापक आर्थिक अनिश्चितताएँ स्वर्ण को सुरक्षित निवेश के रूप में और अधिक आकर्षक बना सकती हैं।

श्री अचल अभिषेक (AGM, एसबीआई बुलियन ब्रांच) ने तकनीकी और ज्योतिषीय विश्लेषण का एक अनूठा संयोजन प्रस्तुत किया। उन्होंने बाजार की स्थितियों और ग्रहों की चाल के आधार पर मध्यम और दीर्घकालिक मूल्य आंदोलनों का पूर्वानुमान लगाया, जिसमें पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी व्यापार रणनीतियों का समावेश था। सत्र का समापन एक क्विज के साथ हुआ, जिसने प्रतिभागियों को अपने ट्रेडिंग शैलियों और स्वर्ण मूल्य पूर्वानुमान के प्रति अपने दृष्टिकोण पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। ■■■

IGC एक्सीलेंस अवॉर्ड्सः स्वर्ण व्यवसाय के सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का सम्मान

भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस (IGC) 2024 एक और यादगार आयोजन बना, जहां स्वर्ण उद्योग में उत्कृष्टता, नवाचार और समर्पण का उत्सव मनाया गया। इस वर्ष के IGC अवॉर्ड्स ने उन उत्कृष्ट कंपनियों और व्यक्तियों को सम्मानित किया, जिन्होंने बुलियन और स्वर्ण परिशोधन उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नीचे उन विजेताओं का उल्लेख किया गया है, जिन्होंने अपनी श्रेणियों में स्वर्ण मानक स्थापित किया।

IGC के "सर्वश्रेष्ठ बुलियन डीलर" पुरस्कारों ने भारत के चारों क्षेत्रों में सबसे प्रभावशाली डीलरों को मान्यता दी। उनकी उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने की क्षमता और स्वर्ण व्यापार के विकास में योगदान ने उन्हें शीर्ष सम्मान दिलाया।

उत्तर भारतः कुंदन ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड

दक्षिण भारतः डीपी गोल्ड

पूर्व भारतः जे जे हाउस प्राइवेट लिमिटेड

पश्चिम भारतः आरएसबीएल

अखिल भारतः अमरापाली इंडस्ट्रीज लिमिटेड

इन कंपनियों ने न केवल क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि भारत में बुलियन व्यापार की राष्ट्रीय स्तर पर वृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

स्वर्ण धातु ऋण (Gold Metal Loans) में उत्कृष्टता हेतु सम्मान

बैंक बुलियन व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे तरलता और वित्तीय समाधान उपलब्ध होते हैं जो सुचारू लेनदेन को संभव बनाते हैं। इस वर्ष, IGC ने निम्नलिखित को सम्मानित कियाः

सर्वश्रेष्ठ नामित बैंक – स्वर्ण एवं स्वर्ण धातु ऋणः एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

प्रमुख नामित बैंक – स्वर्णः आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

दोनों संस्थानों ने वित्तीय उत्पादों में नवाचार और भारत भर में बुलियन व्यवसायों को उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करके स्वर्ण उद्योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित की है।

IGC एक्सीलेंस अवॉर्ड्स

वैश्विक योगदानः विदेशी स्वर्ण बुलियन आपूर्तिकर्ता

स्वर्ण बाजार की वैश्विक प्रकृति के कारण, विदेशी आपूर्तिकर्ता उद्योग की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। IGC ने गर्वपूर्वक निम्नलिखित वैश्विक अग्रणियों को सम्मानित कियाः

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ विदेशी आपूर्तिकर्ताः
जे.पी. मॉर्गन चेस बैंक, एन.ए.

सर्वश्रेष्ठ विदेशी स्वर्ण बुलियन आपूर्तिकर्ताः
एएनजेड

उभरता हुआ विदेशी स्वर्ण बुलियन आपूर्तिकर्ताः
स्टोनएक्स

इन कंपनियों ने भारतीय बुलियन आयातकों के लिए विश्वसनीय भागीदार के रूप में अपनी पहचान बनाई है और वैश्विक बाजारों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

लॉजिस्टिक्स में उत्कृष्टता

लॉजिस्टिक्स बुलियन व्यापार की रीढ़ है, जो विश्वभर में स्वर्ण के सुरक्षित और कुशल परिवहन को सुनिश्चित करता है। IGC ने लॉजिस्टिक्स सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निम्नलिखित अग्रणियों को सम्मानित कियाः

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ लॉजिस्टिक सेवा प्रदाताः
ब्रिंक्स ग्लोबल सर्विसेज

उभरता हुआ लॉजिस्टिक सेवा प्रदाताः
सीक्वल लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड

इन कंपनियों ने बुलियन के परिवहन को सुचारू बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे स्वर्ण का तेज़ और सुरक्षित परिवहन संभव हो पाया है।

परिशोधन और डिजिटल स्वर्ण में अग्रणी

भारत विश्व के सबसे उन्नत स्वर्ण परिशोधकों का केंद्र है। IGC ने उन कंपनियों को शीर्ष सम्मान प्रदान किया जो परिशोधन और डिजिटल स्वर्ण तकनीक में नए मानक स्थापित कर रही हैंः

डिजिटल स्वर्ण क्षेत्र में, MMTC-PAMP अपनी नवाचारपूर्ण पहलों के साथ अग्रणी बना हुआ है, जो प्रौद्योगिकी और परंपरा का उत्कृष्ट संयोजन प्रस्तुत करता है।

वर्ष का सबसे बड़ा एकीकृत स्वर्ण बुलियन परिशोधकः
MMTC-PAMP इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

सर्वश्रेष्ठ नवाचार करने वाला डिजिटल स्वर्ण खिलाड़ीः
ऑगमोंट गोल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड

उभरता हुआ स्वर्ण बुलियन परिशोधक (3 वर्ष से कम समय की नई रिफाइनरी): एरीज़

IGC एक्सीलेंस अवॉर्ड्स

जिम्मेदार व्यापार प्रथाओं के लिए मान्यता

IGC ने उन कंपनियों को भी सम्मानित किया जो अपनी संचालन प्रक्रियाओं में जिम्मेदारी और स्थिरता को प्राथमिकता देती हैं।

मालाबार ने नैतिक सोर्सिंग, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और ग्राहक सेवा में नए मानक स्थापित किए हैं, जिससे वे वैश्विक स्वर्ण और आभूषण बाजार में एक विशिष्ट पहचान बना चुके हैं।

जिम्मेदार आभूषण हाउस ऑफ द ईयरः मालाबार

तकनीकी नवाचार में अग्रणीः XRF मशीनें

एक ऐसी दुनिया में जहां सटीकता सर्वोपरि है, IGC ने सम्मानित कियाः

भारत में वर्ष का प्रमुख XRF मशीन आपूर्तिकर्ताः फिशर उनकी तकनीक ने स्वर्ण विश्लेषण की सटीकता और गति में सुधार किया है, जिससे फिशर भारत में XRF मशीनों के लिए प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित हुआ है।

भारत में वर्ष का प्रमुख XRF मशीन आपूर्तिकर्ताः फिशर

स्वर्णिम भविष्य की ओर

IGC 2024 के विजेता अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। वे परिशोधन, लॉजिस्टिक्स, बैंकिंग और व्यापार में नवाचार के प्रमुख प्रेरक शक्ति हैं। भविष्य की ओर देखते हुए, IGC प्रतिभाओं को पहचानने और प्रोत्साहित करने के प्रति प्रतिबद्ध है, जिससे भारत वैश्विक मंच पर अपनी चमक बनाए रखे। सभी पुरस्कार विजेताओं को स्वर्ण व्यवसाय में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए बधाई! हम उनके निरंतर सफलता और नवाचार को आने वाले वर्षों में देखने के लिए उत्सुक हैं।

SOVEREIGN
METALS LIMITED

Sovereign Metals Limited is in the business of refining precious metals (gold and silver) and supplying highest and most consistent quality products and related services and solution to customers at their place of convenience by leveraging its competent and customer-focused human resources, industry-leading technology infrastructure and transparent and globally compliant-sourcing practices.

Sovereign Metals Limited would pursue environmentally sustainable manufacturing practices and would strive to be a world leader in its chosen segment from India.

www.sovereignmetals.in

"सफलता की चमकः उद्योग जगत के अग्रणी भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस के अनुभव पर विचार करते हुए"

MMTC-PAMP
Swiss Excellence. Made in India.

"भारत के प्रमुख डोरे परिशोधकों में से एक के रूप में, भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस में हमारी भागीदारी हमारे लिए अमूल्य साबित हुई है। इस आयोजन ने हमें अपने व्यापारिक दृष्टिकोण को निखारने और जिम्मेदार सोर्सिंग तथा पर्यावरण संरक्षण में सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में ज्ञान अर्जित करने का अवसर प्रदान किया। अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण व्यापार और परिशोधन प्रक्रियाओं पर सम्मेलन की चर्चाएं अत्यधिक उपयोगी रही हैं, जिससे हमें एक अधिक विनियमित उद्योग परिदृश्य में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने में सहायता मिली है।"

WORLD GOLD COUNCIL

"श्री सचिन जैन, क्षेत्रीय सीईओ, भारत, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल
"भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जो हमें स्वर्ण बाजार के भविष्य पर अपने शोध और अंतर्दृष्टि साझा करने में सक्षम बनाता है। यह स्वर्ण मांग, निवेश और नीति विकास में रुझानों पर चर्चा करने के लिए एक प्रमुख मंच रहा है, जो उद्योग जगत के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण सहयोग को प्रोत्साहित करता है।"

RAND REFINERY

"IGC ने रैंड रिफाइनरी के लिए नए अवसर खोले हैं, जिससे हमें अपने मौजूदा संबंधों को और मजबूत करने और भारतीय बाजार में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर मिला है। इस मंच का जिम्मेदार सोर्सिंग, परिशोधन प्रक्रियाओं और भारत के नियामक ढांचे पर केंद्रित होना हमारे लिए अत्यंत लाभकारी रहा है। इससे रैंड रिफाइनरी को वैश्विक स्वर्ण परिशोधन परिदृश्य को आकार देने में योगदान देने का अवसर प्राप्त हुआ है।"

StoneX®

"इवेंटेल को एक और सफल IGC के लिए बधाई! भारत के नवीनतम कस्टम ड्यूटी संरचना में हुए परिवर्तनों के बाद प्रतिभागियों में दिखा उत्साह प्रेरणादायक था। इस आयोजन का व्यापक स्तर और फिनटेक कंपनियों की भागीदारी उपभोक्ता निवेश व्यवहार में हो रहे बदलावों को दर्शाता है। स्टोनएक्स के लिए यह सम्मेलन अत्यंत उपयोगी रहा, और हम अगली IGC के लिए उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं!"

Sequel
Global precious logistics

"भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस में भाग लेना सीक्वल को उद्योग हितधारकों के साथ नेटवर्क बनाने, बाजार प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त करने और ब्रांड दृश्यता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। संभावित ग्राहकों के साथ संवाद हमें उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार लॉजिस्टिक्स समाधान तैयार करने में सहायता करता है। इसके अलावा, नियामक परिवर्तनों और नवीन तकनीकों के बारे में जानने से भारतीय बाजार में सीक्वल के संचालन को और अधिक मजबूत किया जा सकता है।"

SOVEREIGN METALS LIMITED

"भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस ने सॉवरेन मेटल्स को उद्योग सहयोगियों और नियामक संस्थाओं के साथ जुड़ने के लिए एक बेजोड़ मंच प्रदान किया है। बुलियन व्यापार रणनीतियों और बाजार अंतर्दृष्टि पर इसके फोकस ने हमें भारतीय और वैश्विक स्वर्ण बाजार की जटिलताओं को प्रभावी ढंग से नेविगेट करने में सक्षम बनाया है।"

dP GOLD

"भारत गोल्ड कॉन्फ्रेंस से डीपी गोल्ड को अत्यधिक लाभ मिला है, विशेष रूप से वैश्विक बाजार प्रवृत्तियों और मूल्य निर्धारण रणनीतियों की गहन समझ के माध्यम से। सम्मेलन का बुलियन व्यापार में सर्वोत्तम प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करना हमें अपने जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सेवाओं को और अधिक मजबूत करने में सहायता करता है।"

Title Sponsor: MMTC-PAMP
Organised by: EVENTELL GLOBAL
INDIA GOLD CONFERENCE
23-25 August 2024
Bengaluru
HILTON Manyata Business Park
Knowledge Partner: WORLD GOLD COUNCIL
Platinum Sponsor: KUNDAN
Powered by: sam SAM PRECIOUS METALS

23-25 August 2024
Bengaluru

In Association with
Gold Sponsor
Gold Sponsor: BRIGHT GOLD
Gala Dinner Sponsor: RAND REFINERY
Commodities Partner: MCX METAL & ENERGY Trade with Trust
Refinery Partner: SOVEREIGN METALS LIMITED
Inaugural Dinner Sponsor & Lanyard Sponsor: StoneX
Free Zone Authority Partner: SAIF ZONE
Preferred Jewellery Partner: P. N. GADGIL & SONS
Bullion Partner: Amrapali Gujarat
Secure Logistics Partner: Sequel Global precious logistics
Free Zone Partner: BRINKS Global Services
Lunch Sponsor: Parker Precious Metals LLP
Lunch Sponsor: BANGALORE REFINERY
Kilobar Partner: AUGMONT GOLD FOR ALL
Delegate Kit Sponsor: Fischer
Precious Metals Analysis Partner: SPECTRO NUCLEUS
Preferred Good Delivery Partner: ASHOKA GLOBAL
International Exchange Partner: IIBX
Classic Sponsor: AJ REFINERY PRIVATE LIMITED
Classic Sponsor: dP GOLD
Classic Sponsor: FINMET
Classic Sponsor
Classic Sponsor: SUN BULLION
Classic Sponsor: SOHAM J. J. GOLD REFINERY PVT. LTD.
Networking Break Sponsor: AMS BULLION
Insurance Partner: Alliance Insurance Brokers
Research Partner: IIMA INDIA GOLD POLICY CENTRE
Digital Gold Partner: DIGIGOLD
Information Partner: METALS FOCUS
Supporting Body
Supporting Body: SBMA
Supporting Body: ASSOCIATION OF GOLD REFINERIES AND MINTS
Media Partner: BullionWorld
Media Partner: JewelBuzz SPREAD THE BUZZ

चीन में प्लैटिनम निवेश बाजार का विकास

श्री वेइबिन डेन्ग
क्षेत्रीय प्रमुख, एशिया-प्रशांत,
वर्ल्ड प्लैटिनम इन्वेस्टमेंट काउंसिल

Mr Weibin Deng

"इवेंटेल को एक और सफल IGC के लिए बधाई! भारत के नवीनतम कस्टम ड्यूटी संरचना में हुए परिवर्तनों के बाद प्रतिभागियों में दिखा उत्साह प्रेरणादायक था। इस आयोजन का व्यापक स्तर और फिनटेक कंपनियों की भागीदारी उपभोक्ता निवेश व्यवहार में हो रहे बदलावों को दर्शाता है। स्टोनएक्स के लिए यह सम्मेलन अत्यंत उपयोगी रहा, और हम अगली IGC के लिए उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं!"

हम निवेशकों को आकर्षित करने और प्लैटिनम में निवेश की संभावनाओं को प्रस्तुत करने के लिए डेटा, विशेषज्ञ अनुसंधान और विश्लेषण प्रकाशित करते हैं। वर्तमान में, प्लैटिनम में मजबूत आपूर्ति/मांग मौलिकताओं के कारण निवेश का आकर्षक अवसर बना हुआ है। अनुमान लगाया गया है कि प्लैटिनम बाजार कम से कम 2028 तक महत्वपूर्ण घाटे में रहेगा। हम अपने उत्पाद भागीदारों–जैसे कि टकसालें, परिशोधन इकाइयाँ और बुलियन डीलर्स (उत्तर अमेरिका, एशिया-प्रशांत और यूरोप में)–के साथ मिलकर काम करते हैं, ताकि वे प्लैटिनम निवेश उत्पादों के डिज़ाइन, निर्माण और विपणन में सहयोग प्राप्त कर सकें। हमारे प्रयासों में आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों को हल करना और प्लैटिनम उत्पादों–मुख्य रूप से बुलियन बार, सिक्के, संचय योजनाएँ और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF)–की दृश्यता और उपलब्धता बढ़ाना शामिल है।

चीन प्लैटिनम का वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जो मुख्य रूप से ऑटोमोटिव, आभूषण और औद्योगिक क्षेत्रों में इसके उपयोग द्वारा संचालित है। हालांकि चीन का प्लैटिनम निवेश बाजार अपेक्षाकृत कम विकसित है, फिर भी यह WPIC के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है। हमने 2018 में शंघाई में अपना कार्यालय खोला और अब एशिया-प्रशांत क्षेत्र को कवर करने वाली छह सदस्यीय टीम के साथ काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष, शेन्ज़ेन में हमारे संपर्क कार्यालय (लाइजन ऑफिस) के शुभारंभ ने हमें दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण कीमती धातु केंद्रों में से एक में एक भौतिक उपस्थिति प्रदान की, जहां हमारे कई मौजूदा और संभावित भागीदार स्थित हैं। आज, हमें चीन में चाइना गोल्ड कॉइन ग्रुप (CGCG), मेटलर चाइना, बाई डे जिन, युए शिन, रोंग टोंग गोल्ड, रोकुटेन, और सिल्वर बुलियन सहित कई प्रमुख भागीदारों के साथ काम करने पर गर्व है।

2024 का 30 ग्राम प्लैटिनम पांडा

चीन के लिए प्लैटिनम के रणनीतिक महत्व को समझना हमारी कार्यप्रणाली का एक महत्वपूर्ण पहलू है–विशेष रूप से हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, जहां हाइड्रोजन फ्यूल सेल और इलेक्ट्रोलाइज़र में इसके उपयोग के माध्यम से नई प्लैटिनम मांग उत्पन्न हो रही है। हमारी सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक शंघाई प्लैटिनम वीक (SPW) को वैश्विक PGMs मूल्य श्रृंखला और इसके डाउनस्ट्रीम उद्योगों के लिए एक महत्वपूर्ण वार्षिक आयोजन के रूप में स्थापित करना रहा है। इस वर्ष अपनी चौथी वर्षगांठ मनाते हुए, SPW में 300 संगठनों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जबकि ऑनलाइन उपस्थिति 4,70,000 से अधिक रही। अगला SPW 7-11 जुलाई 2025 के दौरान आयोजित किया जाएगा।

पिछले कुछ वर्षों में चीन में उपलब्ध प्लैटिनम निवेश उत्पादों की विविधता में काफी विस्तार हुआ है। उदाहरण के लिए, प्रतिष्ठित पांडा सिक्का अब फिर से प्लैटिनम में उपलब्ध है, और पिछले वर्ष CGCG ने अपनी राशि श्रृंखला (Zodiac Series) में 15 ग्राम का प्लैटिनम सिक्का शामिल किया तथा अपने "ईयर ऑफ द ड्रैगन" संग्रह के हिस्से के रूप में पहली बार प्लैटिनम बार का उत्पादन किया।इस वर्ष की शुरुआत में, मेटलर ने 1 किलोग्राम का ढाला हुआ प्लैटिनम बार पेश किया, और हम देख रहे हैं कि निवेशकों के बीच बड़े आकार के बार, विशेष रूप से 500 ग्राम और उससे अधिक वजन वाले बार में काफी रुचि बढ़ रही है।

उत्पादों की बढ़ती उपलब्धता, आपूर्ति श्रृंखला में सुधार और प्लैटिनम व इसके निवेश को लेकर व्यापक जागरूकता ने चीन में बार और सिक्कों में निवेश की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि की है। 2019 में 31 हजार औंस (koz) से बढ़कर 2023 में यह 186 हजार औंस तक पहुंच गई, और 2024 में इसके सालाना 34% बढ़कर 250 हजार औंस तक पहुंचने का अनुमान है। 500 ग्राम या उससे अधिक वजन वाले बड़े बुलियन बार की खरीदारी इस वृद्धि का एक प्रमुख कारक रही है।

जबकि चीन में प्लैटिनम को एक निवेश संपत्ति के रूप में मान्यता लगातार बढ़ रही है, बाजार की तरलता (लिक्विडिटी) अभी भी निवेश, आभूषण और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक चुनौती बनी हुई है। हम ग्वांगझोउ फ्यूचर्स एक्सचेंज द्वारा बहुप्रतीक्षित प्लैटिनम और पैलेडियम वायदा अनुबंधों के लॉन्च की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो चीन में इन धातुओं के उपयोगकर्ताओं को ऑन-शोर और स्थानीय मुद्रा में मूल्य जोखिम को हेज करने की सुविधा प्रदान करेगा।यह विकास एक महत्वपूर्ण परिवर्तन साबित हो सकता है, जो चीन के प्लैटिनम बाजार की समग्र स्थिरता और दक्षता को बढ़ाएगा, लागतों को कम करेगा और मांग को बढ़ाकर सभी भागीदारों को लाभ पहुंचाएगा।

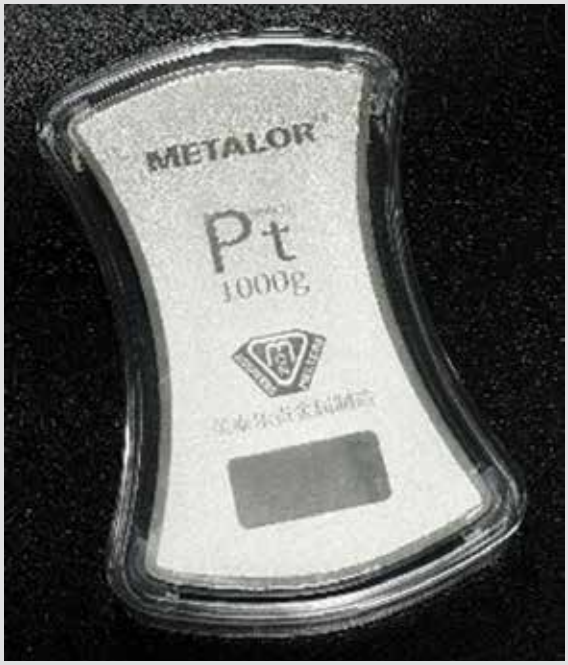

1 किलोग्राम प्लैटिनम बार – मेटलर चाइना

युए शिन के प्लैटिनम ड्रैगन बार्स

चीन बार और सिक्कों में निवेश के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे महत्वपूर्ण बाजार बन गया है। स्रोतः मेटल्स फोकस, WPIC प्लैटिनम क्वार्टरली Q2'24

जापानी निवेशकों के स्वर्ण के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव

श्री ब्रूस इकेमिजु
मुख्य निदेशक और कीमती धातु विशेषज्ञ, जापान बुलियन मार्केट एसोसिएशन

Mr Bruce Ikemizu

पिछले 37 वर्षों में जापानी कीमती धातु बाजार में, जापानी निवेशकों ने हमेशा अपने सौदेबाजी के रुझान से मुझे प्रभावित किया है। वे तब खरीदते हैं जब सोने की कीमत गिरती है और तब बेचते हैं जब कीमत बढ़ती है। लेकिन पश्चिमी दुनिया के निवेशक इसके विपरीत व्यवहार करते हैं। अधिकांश पश्चिमी निवेशकों को "ट्रेंड फॉलोअर्स" कहा जाता है–वे तब खरीदते हैं जब बाजार ऊपर जा रहा होता है और तब बेचते हैं जब बाजार नीचे गिर रहा होता है।

यह पूरी तरह से विपरीत व्यापार शैली मुझे एक पेशेवर व्यापारी के रूप में दोनों बाजारों के बीच व्यापार करने के लिए अच्छे अवसर प्रदान करती थी।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से कोविड के बाद, मैंने देखा है कि जापानी निवेशकों की मानसिकता पूरी तरह से बदल गई है। अब हमारे पास एक नई पीढ़ी है जो पिछली कीमतों की परवाह नहीं करती। इसके अलावा, कमजोर होती जापानी येन भी इस बदलाव का एक प्रमुख कारण बनी है।

लोगों ने महसूस किया कि महामारी के बाद विदेशी देशों की यात्रा के दौरान येन की क्रय शक्ति काफी हद तक कम हो गई है। येन में सोना मुद्रा अवमूल्यन के खिलाफ सबसे अच्छा सुरक्षा उपाय बन गया है। अब सोना रखने वाले निवेशक लाभ के लिए इसे बेचने के बजाय इसे अपने पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानकर बनाए रखना पसंद कर रहे हैं। जापानी गोल्ड ETF का बैलेंस बढ़ रहा है, जबकि अमेरिका और यूरोप में उच्च ब्याज दरों के चलते बड़े पैमाने पर बिकवाली देखी गई। खुदरा भौतिक बाजार में, ऐतिहासिक रूप से उच्च कीमतों के बावजूद, खरीद और बिक्री संतुलित बनी हुई है। हालांकि जापानी सोने के बाजार में आया यह संरचनात्मक बदलाव कोई बड़ी खबर नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि यह दीर्घकालिक रूप से वैश्विक स्वर्ण बाजार को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि जापानी निवेशक अब अल्पकालिक व्यापारियों के बजाय दीर्घकालिक धारक बनते जा रहे हैं।

■■■

"शीर्ष 30 वैश्विक गोल्ड ईटीएफ: होल्डिंग्स और संपत्ति की एक प्रभावशाली शक्ति"

Top 30 GOLD ETFs in terms of Holdings and Asset Under Management			
Name	Country of Listing	Holdings Tns	AUM (US$mn)
SPDR Gold Shares	US	862.47	69692.62
iShares Gold Trust	US	366.72	29633.38
Invesco Physical Gold ETC	UK	213.37	17241.50
iShares Physical Gold ETC	UK	206.28	16668.47
Xetra-Gold	Germany	176.99	14301.52
ZKB Gold ETF ‡	Switzerland	160.74	12988.43
SPDR Gold MiniShares Trust	US	107.79	8710.04
Sprott Physical Gold Trust	US	100.27	8102.38
Xtrackers IE Physical Gold ETC	Germany	64.43	5206.14
WisdomTree Physical Gold	UK	62.00	5009.67
Amundi Physical Gold ETC	France	61.28	4951.99
Pictet CH Precious Metals Fund - Physical Gold ‡	Switzerland	47.90	3870.44
abrdn Gold ETF Trust	US	43.41	3507.49
Sprott Physical Gold & Silver Trust	Canada	41.42	3347.23
Huaan Yifu Gold ETF	China P.R. Mainland	41.00	3314.83
Japan Physical Gold ETF	Japan	37.95	3045.85
Gold Bullion Securities Ltd	UK	37.31	3014.65
WisdomTree Physical Swiss Gold	UK	36.23	2927.81
UBS ETF Gold	Switzerland	33.47	2704.80
Global X Physical Gold	Australia	27.29	2205.38
EUWAX Gold II	Germany	21.67	1751.14
Bosera Gold Exchange Trade Open-End Fund ETF	China P.R. Mainland	20.91	1690.40
UBS ETF CH-Gold CHF hedged CHF	Switzerland	20.25	1636.35
CSIF CH II Gold Blue DB USD ‡	Switzerland	20.05	1620.29
WisdomTree Physical Gold GBP Daily Hedged	UK	19.00	1535.39
Nippon India ETF Gold BeES	India	17.65	1508.33
Xtrackers Physical Gold Euro Hedged ETC	Germany	17.54	1417.38
NewGold Issuer Ltd	South Africa	17.48	1412.61
iShares Gold Trust Micro	US	17.36	1403.04
Xtrackers Physical Gold ETC EUR	Germany	16.93	1367.76

The above data is updated as on August 2024
Source: *www.gold.org, Open source*

Global Gold ETF's- 3181.74 Tons

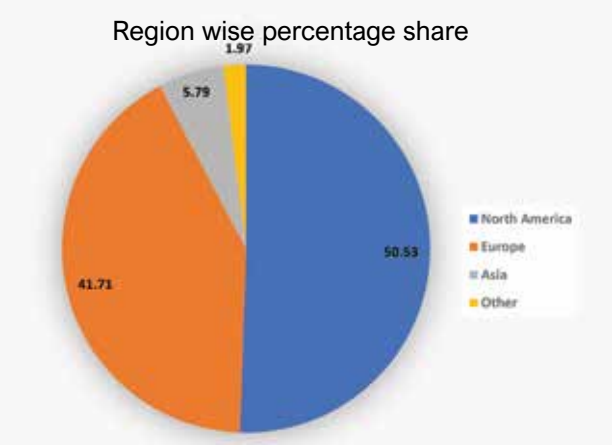

US Gold ETFS		
ETF	Holdings Tns	AUM (US$mn)
SPDR Gold Shares	862.47	69692.62
iShares Gold Trust	366.72	29633.38
SPDR Gold MiniShares Trust	107.79	8710.04
Sprott Physical Gold Trust	100.27	8102.38
abrdn Gold ETF Trust	43.41	3507.49
iShares Gold Trust Micro	17.36	1403.04
VanEck Merk Gold ETF	13.24	1065.43
Graniteshares Gold Trust	10.40	840.25
Goldman Sachs Physical Gold ETF	9.94	803.19
abrdn Precious Metals Basket ETF Trust	8.13	657.22
Franklin Responsibly Sourced Gold ETF	0.95	77.15

India Gold ETFS		
ETF	Holdings Tns	AUM (US$mn)
Nippon India ETF Gold BeES	17.65	1508.33
HDFC Gold Exchange Traded Fund	7.65	653.59
SBI-ETF Gold	6.93	592.37
ICICI Prudential Gold iWIN ETF	6.57	561.56
Kotak Gold ETF	6.30	538.46
UTI-Gold Exchange Traded Fund	1.79	153.32
AXIS GOLD ETF	1.38	117.87
Birla Sun Life Gold ETF	1.13	96.41
DSP Gold ETF	0.78	66.35
Mirae Asset Gold ETF	0.52	44.43
Quantum Gold Fund	0.29	24.96
Tata Gold Exchange Traded Fund	0.23	19.90
LIC MF Gold ETF	0.19	16.22
Invesco India Gold Exchange Traded Fund	0.17	14.14
Zerodha Gold ETF	0.10	8.25
Baroda BNP Paribas Gold ETF	0.09	7.91
Edelweiss Gold ETF	0.07	6.04

"चीन ने स्विट्जरलैंड से स्वर्ण आयात रोका, जबकि भारत की मांग बढ़ी"

वैश्विक स्वर्ण बाजार में एक महत्वपूर्ण बदलाव में, चीन–जो ऐतिहासिक रूप से स्वर्ण का सबसे बड़ा उपभोक्ता रहा है–ने अगस्त में स्विट्जरलैंड से अपनी आयात को रोक दिया, जो जनवरी 2021 के बाद पहली बार हुआ। स्विट्जरलैंड के कस्टम डेटा, जो स्वर्ण परिशोधन और परिवहन का एक प्रमुख केंद्र है, ने इस महीने चीन के लिए पूरी तरह से शिपमेंट की रोकथाम का खुलासा किया।यह प्रवृत्ति पिछले दो महीनों में आयातों में लगातार गिरावट के बाद आई है, क्योंकि बढ़ती स्वर्ण कीमतों ने एशिया में खरीदारों को हतोत्साहित किया। यह गिरावट की प्रवृत्ति पहले से ही अपेक्षित थी, क्योंकि जुलाई में ग्रेटर चाइना के लिए निर्यात पहले ही घट चुके थे, जो कमजोर मांग के कारण था। इसके अतिरिक्त, चीन में स्थानीय स्वर्ण कीमतें लंदन की कीमतों की तुलना में छूट पर चली गईं, जिससे आयात की प्रेरणा और भी कम हो गई।

चीन की मांग में इस गिरावट के प्रभाव स्विट्जरलैंड के कुल स्वर्ण निर्यातों में स्पष्ट रूप से दिखे, जो जून के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए। इसके विपरीत, भारत के स्वर्ण आयात अगस्त में महीने दर महीने 38% बढ़ गए। यह वृद्धि स्वर्ण पर राज्य आयात कर में कमी के साथ मेल खाती है, जो एक दशक में सबसे कम रहा। जबकि चीन में उच्च कीमतों के कारण मांग में नरमी आई है, भारत इस अंतर को भरने के लिए सामने आ रहा है, जो वैश्विक स्वर्ण बाजार की गतिशीलता में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

स्विट्ज़रलैंड के स्वर्ण निर्यात प्रमुख बाजारों को (किलोग्राम में)

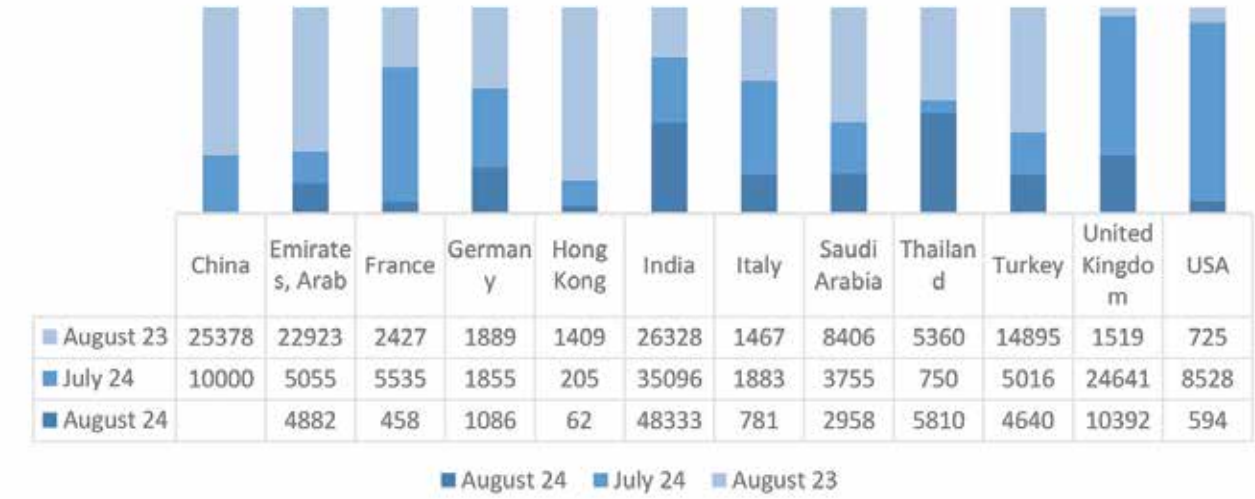

	China	Emirates, Arab	France	Germany	Hong Kong	India	Italy	Saudi Arabia	Thailand	Turkey	United Kingdom	USA
August 23	25378	22923	2427	1889	1409	26328	1467	8406	5360	14895	1519	725
July 24	10000	5055	5535	1855	205	35096	1883	3755	750	5016	24641	8528
August 24		4882	458	1086	62	48333	781	2958	5810	4640	10392	594

Source: Swiss customs. Data subject to revision.

तुर्की में स्वर्ण की भूमिका: सांस्कृतिक धरोहर और आर्थिक स्थिरता

तुर्की का स्वर्ण बाजार वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जो गहरे सांस्कृतिक परंपराओं और आर्थिक कारकों द्वारा प्रेरित है। यह देश दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा स्वर्ण बाजार है, जो यह दर्शाता है कि स्वर्ण तुर्की समाज में, दोनों आभूषण और निवेश के दृष्टिकोण से, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐतिहासिक रूप से, तुर्की में स्वर्ण की मांग स्थिर रही है, जो मुद्रास्फीति और मुद्रा मूल्यह्रास के खिलाफ एक हेज के रूप में इसकी भूमिका से प्रभावित है।

तुर्की की स्वर्ण मांग विभिन्न क्षेत्रों में फैली हुई है, जिसमें आभूषण, बार और सिक्के उपभोग का बड़ा हिस्सा बनाते हैं। 2023 तक, तुर्की दुनिया का चौथा सबसे बड़ा स्वर्ण आभूषण बाजार था, जिसमें पिछले पांच वर्षों में औसतन 35 टन स्वर्ण की वार्षिक मांग रही। देश ने लंबे समय से स्वर्ण को एक सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तु माना है, जिसका उपयोग शादियों और धार्मिक समारोहों में किया जाता है।

हाल के वर्षों में, तुर्की में स्वर्ण की मांग में वृद्धि देखी गई है, जो मुख्य रूप से देश के अस्थिर आर्थिक वातावरण द्वारा प्रेरित है। तेज़ी से बढ़ती मुद्रास्फीति, तेजी से गिरती लिरा और बढ़ती भू-राजनीतिक तनावों ने तुर्की के उपभोक्ताओं को स्वर्ण की सुरक्षा की ओर आकर्षित किया है। 2024 में, बार और सिक्कों की मांग में पिछले तिमाही की तुलना में 50% की वृद्धि हुई, केवल पहले तिमाही में यह 44 टन तक पहुँच गई। स्वर्ण खनन उद्योग आकार में मध्यम होने के बावजूद, जिसने 2023 में 36 टन स्वर्ण का उत्पादन किया, तुर्की का घरेलू उत्पादन अपनी उच्च मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं है।

इसके परिणामस्वरूप, स्वर्ण आयात में भारी वृद्धि हुई है, जो 2023 में 683 टन तक पहुँच गया, जो कम से कम 2012 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है।

यह प्रवृत्ति तुर्की के व्यापार संतुलन पर दबाव डाल रही है, जिसके परिणामस्वरूप सरकार ने आयातों को नियंत्रित करने और घरेलू अर्थव्यवस्था में रखे गए अनुमानित 4,500 टन स्वर्ण को सक्रिय करने के लिए नीतियाँ बनाई हैं।

स्वर्ण तुर्की की वित्तीय प्रणाली में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रिजर्व ऑप्शन मेकैनिज़्म जैसी नीतियाँ स्वर्ण के निजी स्वामित्व को वित्तीय प्रणाली में लाने के लिए पेश की गई थीं। इसके अतिरिक्त, तुर्की का केंद्रीय बैंक स्वर्ण का एक बड़ा खरीदार रहा है, जिसने 2024 में अपने भंडार में 44 टन स्वर्ण जोड़ा, जो बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए स्वर्ण पर अपनी निर्भरता को दर्शाता है। सारांश में, तुर्की का स्वर्ण बाजार सांस्कृतिक धरोहर और आर्थिक रणनीति के बीच जटिल संबंध को प्रदर्शित करता है, जिससे देश को वैश्विक स्वर्ण मांग में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थिति प्राप्त होती है, जबकि यह अपने घरेलू आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

Source - https://www.gold.org/goldhub/research/market-update/perspectives-on-the-turkish-gold-market

बुलियन - डेटा और सांख्यिकी

Gold Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Gold	02nd Sep	27th Sep	% Change
Australia (AUD)	3680.61	3830.99	4.09
Britain (GBP)	1902.24	1976.71	3.91
Canada (CAD)	3373.40	3576.36	6.02
Europe (Euro)	2258.91	2370.73	4.95
Japan (Yen)	367139.00	376782.00	2.63
Switzerland (CHF)	2128.78	2226.31	4.58
USA (USD)	2497.07	2653.57	6.27

Silver Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Silver	02nd Sep	27th Sep	% Change
Australia (AUD)	42.00	45.74	8.90
Britain (GBP)	21.70	23.61	8.80
Canada (CAD)	38.49	42.70	10.94
Europe (Euro)	25.77	28.31	9.86
Japan (Yen)	4189.00	4498.00	7.38
Switzerland (CHF)	24.29	26.58	9.43
USA (USD)	28.52	31.63	10.90

Monthly Exchange Data (Gold) (From Sep 02-27)						
Exchange	**Contract**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Gold Dec 24	2536.00	2708.70	2502.70	2675.70	5.86
SHANGHAI –SHFE[4]	Gold Dec 24	576.42	602.30	568.86	599.68	4.01
MCX[1]	Gold Dec 24	71930.00	76527.00	71380.00	75718.00	5.05
TOCOM[3]	Gold Dec 24	11751.00	12540.00	11388.00	12531.00	6.95

I- Rs/10 gms, 2- $/oz, 3- Jpy/gm 4 (RMB) Yuan/gram 5 - $/gram

Monthly Exchange Data (Silver) (From Sep 02-27)						
Exchange	**Contract**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Silver Dec 24	29.24	33.02	28.01	31.79	9.07
MCX[1]	Silver Dec 24	84910.00	94138.00	82251.00	91398.00	7.26
TOCOM[3]	Silver Dec 24	137.00	148.00	129.00	148.00	8.03

I- Rs/kg, 2- $/oz, 3- Jpy 0.1/gm

Gold Spot Market, India			Rs/10gm
Spot Gold	**02nd Sep**	**27th Sep**	**% chg**
Ahmedabad	71259.00	75340.00	5.73
Bangalore	71240.00	75710.00	6.27
Chennai	70040.00	74550.00	6.44
Delhi	71090.00	75180.00	5.75
Mumbai	71225.00	75337.00	5.77
Hyderabad	70040.00	74130.00	5.84
Kolkata	71820.00	75920.00	5.71

Currency Change (Monthly)		
	02nd Sep	**27th Sep**
EUR/USD	1.1071	1.1169
USD/AUD	1.4273	1.4486
USD/GBP	1.3149	1.3373
USD/INR	83.88	83.71
USD/JPY	146.900	142.190

Silver Spot Market, India			Rs/kg
Spot Silver	**02nd Sep**	**27th Sep**	**% chg**
Mumbai	82780.00	91448.00	10.47

Sources:

www.mcxindia.com
www.Ncdex.com
www.cmegroup.com
www.tocom.or.jp/Indian
www.barchart.com
www.forexpros.com
Domestic Spot precious metals prices Newspaper
www.lbma.org.uk/index.html
www.netdania.com

SBMA

Singapore Bullion Market Association
9 Raffles Place, Level 58, Republic Plaza, Singapore 048619
Telephone: +65 6823 1301 | www.sbma.org.sg

DEVELOPING, DRIVING AND CONNECTING ASIA PACIFIC BULLION MARKET

WE BRIDGE OPPORTUNITIES TO GROW YOUR PRECIOUS METALS BUSINESS

OUR VISION & MISSION

Our vision is for Singapore to emerge as a leading precious metals hub in the Asia Pacific region and a global centre of connectivity for precious metals.

Our mission is to support member companies in expanding their businesses within Singapore and leveraging the nation as a launchpad to propel their operations into the Asia Pacific region.

MEMBERSHIP

SBMA is a non-profit member-driven organisation that represents our members from the precious metals industry, including but not limited to bullion banks, exchanges, refineries, trading firms and logistics companies. Our members enjoy wide-ranging benefits from their membership.

FIND OUT MORE:

CORPORATE BROCHURE

DIGIGOLD™

RESERVING TODAY & TOMORROW

It will just take

One Click

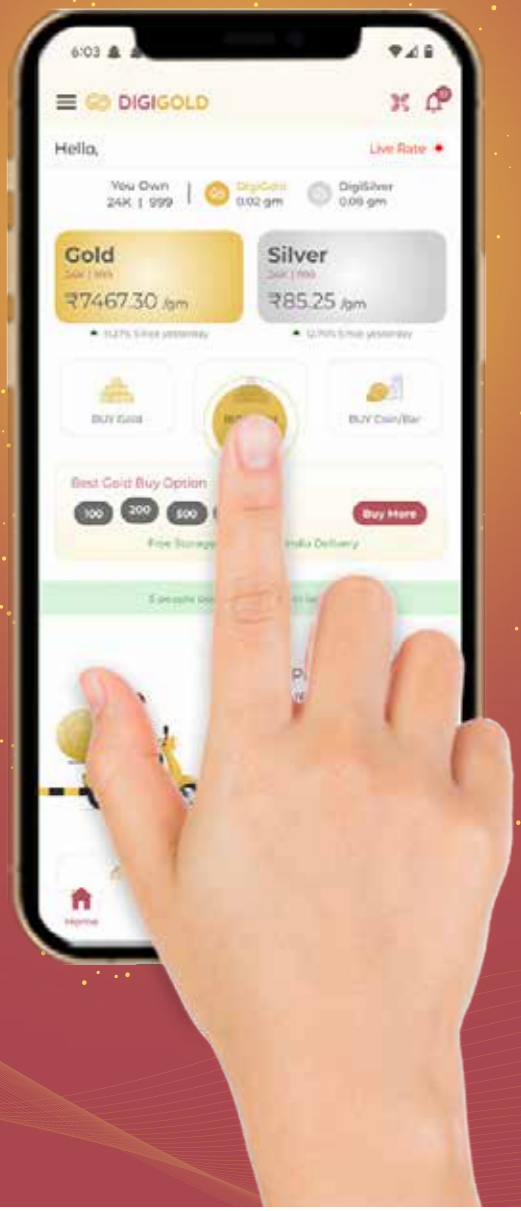

BUY

SELL

SIP

GIFT

DELIVERY

SAFE WALLET

Get access to **India's most trusted digital platform** for **GOLD** and **SILVER** by Amrapali Gujarat.

DOWNLOAD NOW

Google play | App Store

Preferred Refinery

Powered by Amrapali Gujarat

www.digigold.com

+91 75740 09400

fleek.media

An auspicious beginning to a golden future

Presenting IAGES - Indian Association for Gold Excellence and Standards

IAGES is a self-regulatory organisation that is created by the Indian gold industry, for the Indian gold industry, and supported by World Gold Council.

Visit
www.iages.com
or scan QR to
know more

IAGES
Indian Association for
Gold Excellence and Standards
An Industry Initiative

Supported by
WORLD
GOLD
COUNCIL

MMTC-PAMP

Swiss Excellence. Made in India.

INDIA'S PUREST GOLD BARS WITH 99.99%+ PURITY

BULLION BAR

LOTUS GOLD BAR
1gm, 2gm, 5gm, 8gm, 10gm, 20gm, 31.1gm, 50gm, 100gm

RAM LALLA GOLD BAR 10gm

VOTED AS MOST TRUSTED BRAND OF THE NATION

24K 999.9+ Purest Gold ~ Finest Swiss Craftsmanship ~ Positive Weight & Purity Tolerance ~ Assured Buyback ~ LBMA GOOD DELIVERY REFINER